चैत्र कृष्ण - 9 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 247 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 03-04-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 हम कभी हार नहीं मानते, संघर्ष करते रहेंगे : हार्दिक पंड्या

6 बिहार की राजनीति का 'चिराग' संभावना का वाहक

7 मोदी ने जातिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति खत्म की : नड्डा

फर्स्ट टेक

राजौरी और पुंछ में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिलों में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वहीं, इस मॉड्यूल के सात लोगों की पहचान की गई है जिसमें से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी सीमा पार से जिले में ड्रोन के माध्यम से गिराए गए हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक, नकदी और नशीले पदार्थों को प्राप्त कर उनकी तस्करी करने में शामिल थे। पुलिस ने पाकिस्तान में बैठे इस मॉड्यूल के सरगना और लश्कर-ए-तैयबा के मोहम्मद कासिम के लिए 10 लाख रुपये के इनाम वाला एक पोस्टर जारी किया है।

फिनलैंड के स्कूल में छात्र ने गोलीबारी की, तीन विद्यार्थी घायल

हेलसिंकी/एपी। दक्षिणी फिनलैंड के एक माध्यमिक स्कूल में मंगलवार को 12 वर्ष के एक छात्र ने गोलीबारी की जिससे तीन अन्य विद्यार्थी घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बाद में संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि सुबह नौ बजकर करीब आठ मिनट पर सूचना मिली कि राजधानी हेलसिंकी के बाहरी क्षेत्र वंता शहर में लगभग 800 विद्यार्थियों वाले एक माध्यमिक स्कूल में गोलीबारी हुई है, जिसके बाद पुलिस ने स्कूल को घेर लिया। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध और घायलों की उम्र 12 वर्ष के आसपास है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को बाद में हेलसिंकी इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से एक हैंडगन मिली। तीनों घायल छात्रों की फिलहाल क्या स्थिति है, इस बारे में कुछ भी स्पष्ट तौर पर नहीं बताया गया है।

मुठभेड़ में आठ नक्सली ढेर

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में आठ नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गंगालूर थाना क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सोमवार को सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। दल में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन के जवान शामिल थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दल जब लेंड्रा गांव के जंगल में था तब आज सुबह लगभग छह बजे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के जवानों पर गोलीबारी शुरू कर दी।

03-04-2024 सूर्यास्त 6:31 बजे | 04-04-2024 सूर्योदय 6:13 बजे

BSE	NSE
73,903.91	22,453.30
(-110.64)	(-8.70)

सोना	चांदी
7,055 रु.	77,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सब चिंतित

घोटाले में है कौन लिप्त,
यह जाल बहुत ही कूट रचित।
अब चले जेल की राह आप,
उद्विग्न कर रहे हैं क्यों चित।
ईडी सीबीआई आखिर,
किनसे कितनी है अनुबंधित।
है कौन सही या ग़लत आज,
सारा ही देश आज चिंतित।।

दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के मामले में मिली

आप नेता संजय सिंह को जमानत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- प्रवर्तन निदेशालय ने संजय सिंह को जमानत देने पर नहीं जतायी कोई आपत्ति
- संजय सिंह अपनी राजनीतिक गतिविधियां जारी रख सकते हैं लेकिन इस मामले के संबंध में कोई बयान नहीं दे सकते।

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को मंगलवार को जमानत दे दी। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने कहा था कि अगर सिंह को मामले में जमानत दी जाती है तो उसे कोई आपत्ति नहीं है।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने छह महीने से जेल में बंद संजय सिंह को रिहा करने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि आप नेता अपनी राजनीतिक गतिविधियां जारी रख सकते हैं लेकिन इस मामले के संबंध में कोई बयान नहीं दे सकते।

सिंह की रिहाई ऐसे समय में हो रही है जब आम आदमी पार्टी के सामने 19 अप्रैल से शुरू होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले नेतृत्व का संकट है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल तथा पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया इस मामले के सिलसिले में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

पीठ ने कहा कि सिंह पूरे मुकदमे के दौरान जमानत पर बाहर रहेंगे और उनकी जमानत की शर्तें विशेष अदालत तय करेगी। भोजनावकाश के बाद के सत्र में, ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि उन्होंने जांच एजेंसी से निर्देश ले लिए हैं और अगर सिंह को जमानत दी जाती है तो उसे कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा,, मैं मामले के गुण-दोषों में गए बिना बयान दे रहा हूं।

पीठ ने बयान पर संज्ञान लेते हुए आदेश दिया,, एएसजी एसवी राजू को सुबह के सत्र में निर्देश लेने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा है कि अगर संजय सिंह को प्राथमिकी से जुड़ी कार्यवाही में जमानत पर रिहा किया जाता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है... दिए गए बयान के मद्देनजर, हम वर्तमान अपील की अनुमति देते हैं और निर्देश देते हैं कि संजय सिंह को नियम और शर्तों पर मुकदमे के लंबित रहने के दौरान जमानत पर रिहा किया जाए। पीठ ने कहा कि सिंह को दी गई जमानत को 'मिसाल' के तौर पर नहीं लिया जाएगा।

बेंगलूरु में विस्फोट हो रहे हैं लेकिन कांग्रेस एसडीपीआई का समर्थन ले रही है : शाह

शाह ने रामनगर जिले के चन्नापट्टना में अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान सवाल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रचार रथ पर शाह के साथ, बेंगलूरु ग्रामीण के भाजपा प्रत्याशी डॉ. सी एन मंजूनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और एचडी कुमारस्वामी तथा अन्य।

चन्नापट्टना/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 'बेंगलूरु में विस्फोट हो रहे हैं', उसके बाद भी कांग्रेस प्रतिबंधित 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई)' का समर्थन ले रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष शाह हाल में लोकप्रिय रेस्तरां रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट का परोक्ष रूप से जिक्र कर रहे थे । इस विस्फोट की जांच चल रही है। शाह ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस पर कथित रूप से 12 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का दाग है जबकि उसकी तुलना में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भ्रष्टाचार का लेशमात्र आरोप भी नहीं है। शाह ने रामनगर जिले के चन्नापट्टना में अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान सवाल किया, एकतरफ बेंगलूरु में विस्फोट हो रहे हैं और दूसरी तरफ मुझे जानकारी मिली है कि एसडीपीआई ने कांग्रेस का समर्थन किया है। यदि यह सच है तो क्या यह कर्नाटक के लोग कांग्रेस (शासन) में सुरक्षित हो सकते हैं?

रामनगर जिला बेंगलूरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है। भाजपा ने इस लोकसभा सीट पर मशहूर हृदयचिकित्सक डॉ. सी एन मंजूनाथ को चुनाव मैदान में उतारा था। मंजूनाथ श्री जयेदव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलोजी के प्रमुख रह चुके हैं। वह पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल एस (जदएस) के प्रमुख एच डी देवेगौड़ा के दामाद तथा पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी के बहनोई हैं। शाह ने कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री के साथ है तथा रोडशो के दौरान लोगों की मौजूदगी उनके विश्वास की पुष्टि है। उन्होंने दावा किया, मोदी ने 23 सालों तक मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में काम किया है लेकिन उनपर 25 पैसे का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा, जबकि कांग्रेस ने 12 लाख करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया है। प्रधानमंत्री (मोदी) की तरह कोई ईमानदार प्रधानमंत्री नहीं है और डॉ. मंजूनाथ की तरह कोई सेवान्मुख डॉक्टर नहीं है। उन्होंने लोगों से भाजपा और उसके सहयोगी जदएस को कर्नाटक में सभी 28 लोकसभा सीट जिताने में मदद करने की अपील की ताकि भाजपा देशभर में 400 से अधिक सीट जीतने का लक्ष्य हासिल किया जा सके। प्रधानमंत्री मोदी ने 16 मार्च को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के गढ कलबुर्गी से चुनाव प्रचार की शुरुआत की थी । शाह ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य सरकार में दूसरे नंबर पर आने वाले डी के शिवकुमार के गढ़ रामनगर से अपनी ताकत दिखाने के लिए चयन किया। शाह रथ के शक्ल में तब्दील कर दिये गये चार पहिये वाहन से रोडशो किया। उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी, डॉ. मंजूनाथ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और योगेश्वर थे। चन्नापटना में सैंकड़ों की संख्या में लोग जुटे जहां यह रोडशो शुरू हुआ। भाजपा और जदएस कार्यकर्ताओं के हाथों में अपनी अपनी पार्टी के झंडे, पोस्टर और तख्तियां थीं।

तीसरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर प्रहार और तेज होगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- एक तरफ हम लोग ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ जनता के सामने हैं जबकि दूसरी तरफ, भ्रष्टाचारी और परिवारवादी लोगों का जमावड़ा है।

रूद्रपुर/भाषा। विपक्ष पर भ्रष्टाचारियों को बचाने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को जोर देकर कहा कि चुनाव के बाद उनके तीसरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर प्रहार और तेज होगा। उत्तराखंड में 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार की शुरुआत करते हुए यहां 'विजय शंखनाद' रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, तीसरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर और तेज प्रहार होगा। यह गारंटी मैं आपको देने आया हूं। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार हर गरीब का हक छीनता है, मध्यम वर्ग का हक छीनता है और मैं गरीब या मध्यम वर्ग का हक किसी को छीनने नहीं दूंगा। '

कथित शराब घोटाले में घिरे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समर्थन में एकजुट विपक्ष का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि 2024 के चुनाव में स्पष्ट रूप से दो खेमे बन गए हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ हम लोग ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ जनता के सामने हैं जबकि दूसरी तरफ, भ्रष्टाचारी और परिवारवादी लोगों का जमावड़ा है। उन्होंने कहा, ये भ्रष्टाचारी उन्हें धमकी दे रहे हैं, दिन-रात गाली दे रहे हैं। देखिए, क्या खेल चल रहा है। हम कहते हैं कि भ्रष्टाचार मिटाओ और वह कह रहे हैं कि भ्रष्टाचारी बचाओ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले पांच साल अभूतपूर्व काम और बड़े फैसलों के लिए होंगे लेकिन उसके लिए जनता को उन्हें और मजबूत करना होगा।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 'इंडी गठबंधन' में शामिल कांग्रेस के शाही परिवार के शहजादे ने ऐलान किया है कि अगर देश ने तीसरी बार भाजपा सरकार को चुना तो आग लग जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि 60 साल तक देश पर राज करने वाले 10 साल सत्ता से बाहर रहते ही देश में आग लगाने की बात कर रहे हैं। उन्होंने जनता से पूछा कि क्या वे ऐसे लोगों का सजा नहीं देंगे और चुनचुन कर ऐसे लोगों को मैदान से बाहर नहीं करेंगे।

मोदी ने कहा कि इमरजेंसी की बात करने वाली कांग्रेस को लोकतंत्र पर भरोसा नहीं बचा है और इसलिए वह जनादेश के विरुद्ध लोगों को भड़काने में जुट गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश को अस्थिरता की तरफ ले जाना चाहती है और अराजकता में झोंकना चाहती है।

इस्तांबुल के नाइटक्लब में आग लगने से कम से कम 29 लोगों की मौत

इस्तांबुल/एपी। इस्तांबुल में एक नाइटक्लब में मरम्मत कार्य के दौरान मंगलवार को आग लगने की घटना में कम से कम 29 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्लब के प्रबंधकों समेत कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। इस्तांबुल के गवर्नर कार्यालय ने एक बयान में कहा कि कम से कम एक व्यक्ति का इलाज एक अस्पताल में चल रहा है। नाइटक्लब नवीनीकरण के काम के लिए बंद था। यह क्लब बोस्फोरस जलसंधि से विभाजित शहर के यूरोपीय हिस्से के बेसिकतास जिले में 16 मंजिल की एक आवासीय इमारत के भूतल और तलघर में था। आग बुझा ली गई है। गवर्नर दावुत गुल ने मौके पर संवाददाताओं से कहा कि आग के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है और माना जा रहा है कि घटना के पीड़ित लोग नवीनीकरण कार्य में शामिल थे।

'आंतकवदी चैनल' है अल जजीरा : नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/एपी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संसद द्वारा अल जजीरा चैनल को बंद करने जैसे फैसले के लिए कानून पारित किए जाने के बाद सोमवार को संकल्प जताया कि देश में इस चैनल का परिचालन बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि यह 'आंतकवादी चैनल' है जो उकसाता है।

प्रसारक ने नेतन्याहू के उकसाने वाले दावे की निंदा करते हुए इसे 'खतरनाक, हास्यास्पद झूठ' बताया। अल जजीरा ने सोमवार देर रात एक बयान में कहा कि वह नेतन्याहू को अपने कर्मचारियों और कार्यालयों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार मानता है। चैनल के मुताबिक, उसके पत्रकार अपने साहसिक और पेशेवर कवरेज को जारी रखेंगे, और वह, हर कानूनी कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

इजराइल के अल जजीरा के साथ लंबे समय से खराब संबंध रहे हैं। इजराइल चैनल पर उसके प्रति पूर्वाग्रह रखने का आरोप लगाता है। लगभग दो साल पहले दोनों के संबंध तब और बिगड़ गए जब इजराइली कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजराइली सैन्य हमले के दौरान अल जजीरा की संवाददाता शिरीन अबू अकलेह की हत्या कर दी गई थी। अल जजीरा उन कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया घरानों में से एक है जिसने पूरे युद्ध के दौरान गाजा से खबरें दीं, हवाई हमलों और भीड़भाड़ वाले अस्पतालों के खूनी दृश्य प्रसारित किए और इजराइल पर नरसंहार का आरोप लगाया। इजराइल ने अल जजीरा पर हमास के साथ सहयोग करने का आरोप लगाया है।

सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता मिलने को लेकर आशान्वित हैं भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- अब पूरी दुनिया में इस तरह की भावना है कि यह सुरक्षा परिषद में बदलाव होना चाहिए और भारत को स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए। मुझे लगता है कि यह भावना हर साल बढ़ रही है।

राजकोट/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थायी सदस्यता मिलने का विश्वास जताते हुए मंगलवार को कहा कि यह निश्चित रूप से होगा लेकिन इस दिशा में अत्यधिक प्रयासों की जरूरत होगी। गुजरात के राजकोट शहर में बुद्धिजीवियों के साथ संवाद में विदेश मंत्री ने कहा कि सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

संयुक्त राष्ट्र के मूल स्थायी सदस्य पांच देशों-चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका के प्रभुत्व को रेखांकित करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि अब भारत की स्थायी सदस्यता के पक्ष में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माहौल बन रहा है। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना लगभग 80 वर्ष पहले हुई थी और इन पांच देशों ने आपस में सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का फैसला कर लिया था। उन्होंने यूएनएससी की स्थापना के ऐतिहासिक संदर्भ का उल्लेख किया जहां पांच देशों को स्थायी सदस्यता मिली थी। उन्होंने आज करीब 193 देशों के साथ आकार ले रहे वैश्विक परिदृश्य की भी बात की।

विदेश मंत्री ने कहा,, लेकिन इन पांच देशों ने अपना नियंत्रण रखा और अजीब बात है कि आपको किसी बदलाव के लिए उनसे मंजूरी देने के लिए कहना पड़ता है। कुछ सहमत होते हैं, कुछ अन्य ईमानदारी से अपना रुख रखते हैं, वहीं अन्य पीछे से कुछ करते हैं। उन्होंने कहा,, लेकिन अब पूरी दुनिया में इस तरह की भावना है कि यह बदलना चाहिए और भारत को स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए। मुझे लगता है कि यह भावना हर साल बढ़ रही है।

लोस चुनाव:

कांग्रेस ने 17 और प्रत्याशी घोषित किए

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को 17 और उम्मीदवार घोषित किए जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री तारिक अनवर एवं एम एम पल्लम राजू तथा पार्टी की आंध्र प्रदेश इकाई की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला रेड्डी के नाम शामिल हैं। पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की 11वीं सूची में आंध्र प्रदेश से पांच, बिहार से तीन, ओडिशा से आठ और पश्चिम बंगाल से एक उम्मीदवार का नाम शामिल है। पार्टी ने बिहार के कटिहार से एक बार फिर अनवर को उम्मीदवार बनाया है। पिछले लोकसभा चुनाव में उन्हें जनता दल (यूनाइटेड) के उम्मीदवार दुलालचंद गोस्वामी ने पराजित किया था। एक बार फिर से उनका मुकाबला गोस्वामी से होगा। कांग्रेस ने बिहार की किशनगंज लोकसभा सीट से अपने मौजूदा सांसद मोहम्मद जावेद को टिकट दिया है। भागलपुर लोकसभा क्षेत्र से पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक अजीत शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस बिहार की कुल 40 लोकसभा सीटों में से नौ पर चुनाव लड़ रही है।

अभ्यास

वायुसेना के पांच हेलीकॉप्टर आपातकालीन स्थिति में उतरने के अभ्यास के तहत जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर उतरे। यह जम्मू कश्मीर में इस तरह का पहला अभ्यास था। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अमेरिका निर्मित चिनूक हेलीकॉप्टर को भी इस अभ्यास में शामिल किया गया जिसे हाल ही में बल में शामिल किया गया है। इस अभ्यास के बाद, जम्मू कश्मीर आपातकालीन लैंडिग सुविधा (ईएलएफ) वाला पहला केंद्रशासित प्रदेश बन गया है। आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान तीन ऐसे राज्य हैं जहां ईएलएफ वर्तमान में उपलब्ध हैं।

पतंजलि विज्ञापन : न्यायालय ने योगगुरु रामदेव, बालकृष्ण की माफी को कोरी बयानबाजी करार दिया

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने भ्रामक विज्ञापन मामले में पंतजलि आयुर्वेद के बचाव पर मंगलवार को अप्रसन्नता जतायी तथा योगगुरु रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक (एमडी) आचार्य बालकृष्ण की माफी को 'कोरी बयानबाजी' कहकर खारिज कर दिया। न्यायालय ने साथ ही शपथ भंग पर उन्हें आगाह किया।

न्यायमूर्ति हिमा कोहली की अध्यक्षता वाली पीठ ने अपने उत्पादों की प्रभावकारिता के बारे में पतंजलि के बड़े-बड़े दावों और कोविड महामारी के चरम दौर में एलोपैथी को बदनाम करने पर केंद्र की कथित निष्क्रियता पर भी सवाल उठाया और पूछा कि सरकार ने क्यों अपनी आंखें मूंदे रखीं? स्वामी रामदेव और बालकृष्ण दोनों कारण बताओ नोटिस के सिलसिले में अदालत में उपस्थित थे। कारण बताओ नोटिस में पूछा गया था कि उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए? पीठ में न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह भी शामिल थे। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 10 अप्रैल के लिए तय करते हुए कहा कि उस दिन योगगुरु रामदेव और बालकृष्ण दोनों को फिर से पेश होना होगा।

सड़क परिवहन मंत्रालय ने 2023-24 में मौद्रीकरण से 40,314 करोड़ रुपए जुटाए

नई दिल्ली/भाषा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2023-24 में अपनी परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण के जरिये कुल 40,314 करोड़ रुपए जुटाए हैं, जो निर्धारित लक्ष्य से काफी अधिक है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि मंत्रालय ने टोल वसूली-परिचालन-हस्तांतरण (टीओटी) समूहों के मौद्रीकरण के जरिये समाप्त वित्त वर्ष में 15,968 करोड़ रुपए जुटाए जबकि अवसंरचना निवेश न्यास (इनविट) के माध्यम से 15,700 करोड़ रुपए और प्रतिभूतियों की बिक्री के जरिये 8,646 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इस तरह वित्त वर्ष 2023-24 के लिए संपत्ति मौद्रीकरण के जरिये जुटाई गई राशि 28,968 करोड़ रुपए के निर्धारित लक्ष्य से आगे निकल गई। मंत्रालय ने संपत्ति मौद्रीकरण के जरिये वित्त वर्ष 2022-23 में 32,855 करोड़ रु. जुटाए थे।

जनता का मिजाज बदल गया है, यह अब मोदी के खिलाफ है : शरद पवार

नागपुर/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद पवार) के नेता शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि जनता का मिजाज बदल गया है और अब यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ है। नागपुर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवार ने यह भी कहा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की ओर से प्रधानमंत्री पद का चेहरा कौन होगा, इस बारे में अभी तक कोई विचार नहीं हुआ है। पवार ने कहा,, मैं साफ-साफ देख सकता हूं कि जनता का मिजाज बदल गया है। अब यह प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ है। इस सरकार में संस्थानों पर हमले हो रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि लोकसभा चुनाव के लिए 'इंडिया' गठबंधन के सीटों की साझेदारी का अंतत: क्या स्वरूप होगा, पवार ने कहा,, मैं कोई ज्योतिषी नहीं हूं।

दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को जमानत दिए जाने पर पवार ने कहा,, यह अच्छी बात है। उनके साथ अन्याय हुआ था। अब असली तस्वीर सामने आएगी। प्रकाश आंबेडकर की अगुवाई वाली वंचित बहुजन आघाडी द्वारा कुछ सीट पर उम्मीदवार उतारे जाने के बारे में एक सवाल पर पवार ने कहा,, हम महा विकास आघाडी (एमवीए) में उन्हें चाहते हैं।

भारत, यूरेशियाई आर्थिक संघ के अधिकारियों ने एफटीए के लिए विस्तृत चर्चा की

नई दिल्ली/भाषा। भारत और पांच देशों के ब्लॉक यूरेशियाई आर्थिक संघ (ईईयू) के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने के लिए पिछले महीने विस्तृत चर्चा की। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि मुक्त व्यापार समझौते से दोनों पक्षों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। ईईयू के पांच सदस्यों में आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और रूस शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित समझौते पर दो व्यवहार्यता अध्ययन पहले ही किए जा चुके हैं। इस तरह के समझौते में, दो या दो से अधिक व्यापारिक साझेदार आपसी व्यापार की अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क को या तो पूरी तरह समाप्त कर देते हैं या काफी कम कर देते हैं।

दोस्त को अप्रैल फूल बनाने के चक्कर में गई 18 वर्षीय छात्र की जान

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर में अपने दोस्त को कथित तौर पर, अप्रैल फूल'' बनाने के दौरान गलती से फांसी लगने के कारण 18 वर्षीय छात्र की जान चली गई। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया कि मल्हारगंज थाना क्षेत्र में अभिषेक रघुवंशी (18) ने सोमवार, एक अप्रैल को अपने एक दोस्त को, अप्रैल फूल'' बनाने के लिए वीडियो कॉल किया और गले में फांसी का फंदा डालकर खुदकुशी का दिखावा करने लगा। उन्होंने बताया,, इसी दौरान रघुवंशी जिस स्टूल पर खड़ा था, वह गलती से सरक गया। उसके हवा में लटकते ही गले में फांसी का फंदा कस जाने के कारण उसकी मौत हो गई।

'बिहार की हर सीट पर राजग उम्मीदवारों का समर्थन करेगी पारस के नेतृत्व वाली रालोजपा'

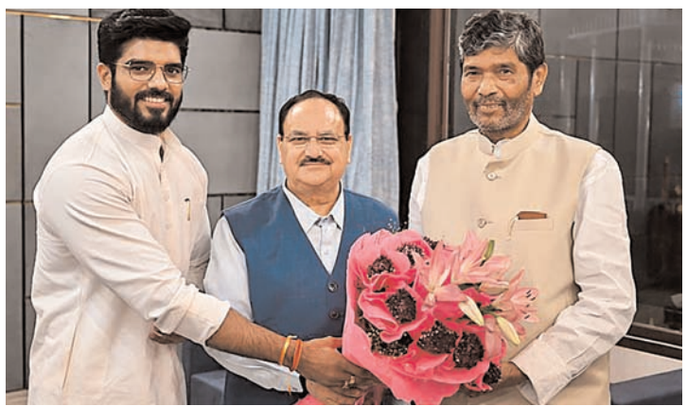

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार की सभी 40 सीट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवारों का समर्थन करेगी।

पारस ने मंगलवार को यहां भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात की। मुलाकात के बाद नड्डा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए उपरोक्त जानकारी साझा की। हालांकि न तो नड्डा और न ही रालोजपा की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि टिकट बंटवारे में नजरअंदाज किए जाने के पारस के आरोपों का मुद्दा किस प्रकार हल किया गया। बिहार में टिकट बंटवारे में भाजपा की ओर से चिराग पासवान के नेतृत्व वाले धड़े लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को तरजीह देने और उन्हें हाजीपुर सहित पांच सीट दिए जाने के बाद पारस ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने भाजपा नेतृत्व पर अपनी पार्टी के साथ 'नाइंसाफी' का भी आरोप लगाया था। मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए नड्डा ने 'एक्स' पर कहा,, राजग में हमारे सहयोगी एवं रालोजपा के प्रमुख पशुपति पारस से नई दिल्ली में आवास पर मुलाकात की। राजग सदस्य के नाते पशुपति पारस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार अच्छे कार्य किए। आने वाले चुनाव में भी हमारा गठबंधन मजबूती से बना रहेगा। उनकी पार्टी बिहार में राजग के सभी 40 उम्मीदवारों का पूर्ण समर्थन करेगी।

एसबीआई ने चुनावी बॉन्ड की बिक्री, भुनाने के लिए एसओपी का खुलासा करने से इनकार किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने उसकी शाखाओं से जारी किए गए चुनावी बॉन्ड की बिक्री और उन्हें भुनाने के लिए अपनी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का खुलासा करने से इनकार कर दिया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने एक आरटीआई के जवाब में व्यावसायिक गोपनीयता के तहत दी गई छूट का हवाला देते हुए यह जानकारी देने से मना किया। आरटीआई कानून के तहत दायर एक आवेदन में अंजलि भारद्वाज ने चुनावी बॉन्ड की बिक्री और उन्हें भुनाने के लिए एसओपी का विवरण मांगा था। एसबीआई के केंद्रीय सार्वजनिक सूचना अधिकारी और उप महाप्रबंधक एम कन्ना बाबू ने अपने जवाब में 30 मार्च को कहा,, अधिकृत शाखाओं को समय-समय पर जारी चुनावी बॉन्ड योजना-2018 की मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) आंतरिक दिशानिर्देश हैं, जिन्हें सूचना का अधिकार कानून की धारा 8(1) (डी) के तहत छूट दी गई है। आरटीआई कानून की धारा 8(1)(डी) वाणिज्यिक विश्वास, कारोबारी गोपनीयता या बौद्धिक संपदा सहित ऐसी जानकारी के खुलासे से छूट देती है, जिसे बताने से प्रतिस्पर्धी स्थिति को नुकसान होगा।

मेरी जीत लोकसभा से मेरे निष्कासन का करारा जवाब होगी : मोइत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से बड़े अंतर से अपनी जीत का दावा करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की वरिष्ठ नेता महुआ मोइत्रा ने कहा कि उनकी जीत पिछले साल उन्हें लोकसभा से निष्कासित करने और 'नकद के बदले सवाल पूछने' के मामले में केंद्रीय एजेंसियों द्वारा उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने की साजिश का करारा जवाब होगी। मोइत्रा ने कहा कि संवैधानिक लोकतंत्र को खत्म करने के भाजपा के सभी प्रयासों के बावजूद, भारत इतना महान देश है कि इसे फासीवादी ताकतें नष्ट नहीं कर सकतीं।

टीएमसी ने मोइत्रा को पिछले साल लोकसभा से निष्कासित किए जाने के बाद कृष्णानगर सीट से फिर से टिकट दिया है। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) पर भगवा खेमे के राजनीतिक एजेंट'' के तौर पर काम करने का आरोप लगाया। मोइत्रा ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा कि निर्वाचन आयोग ने अपनी स्वतंत्रता खो दी है क्योंकि आयुक्तों का चयन उस समिति द्वारा किया जाता है जहां केंद्र के पास दो-तिहाई बहुमत है। उन्होंने कहा, मेरी जीत में कोई संदेह नहीं है। यह इस बारे में है कि अंतर कितना बड़ा होगा, जिसका फैसला चार जून को होगा। मैं यहां रहती हूं और पिछले पांच वर्षों से अपने लोगों के बीच हूं और उससे पहले भी एक विधायक के रूप में उनके बीच थी। इसलिए यह एक बहुत मजबूत संबंध है, और सच कहूं, तो यहां ऐसा बिल्कुल नहीं लग रहा है कि कोई चुनाव हो रहा है।

मोइत्रा ने 2019 के चुनाव में 60,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की थी और उन्हें कुल 45 प्रतिशत मत मिले थे। 49 वर्षीय नेता ने कहा, मेरी जीत मुझे निष्कासित करने और मेरी प्रतिष्ठा धूमिल करने की साजिश का करारा जवाब होगी।

लोकसभा में अपनी मुखरता और उग्र बहस के लिए जानी जाने वाली मोइत्रा को पिछले साल दिसंबर में निचले सदन से निष्कासित कर दिया गया था।

बाजार में भरोसे के लिए पारदर्शिता जरूरी: सेबी प्रमुख

मुंबई/भाषा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने मंगलवार को कहा कि पूंजी बाजार का पूरा ढांचा भरोसे पर टिका है और यह पारदर्शी व्यवस्था से पैदा होता है। उन्होंने कहा कि पूंजी बाजार नियामक सार्वजनिक शेयरधारकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिनिधि के रूप में काम करता है। इन शेयरधारकों की सूचीबद्ध कंपनियों में हिस्सेदारी 56 प्रतिशत है जबकि प्रवर्तकों के पास 44 प्रतिशत हिस्सा है।

यहां उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के कंपनी संचालन विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा,, सिर्फ बाजार ही नहीं, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था भरोसे की इमारत पर टिकी हुई है। सेबी प्रमुख ने कहा,, एक नियामक के रूप में हमारे लिए विश्वास का सबसे बुनियादी आधार पारदर्शिता है। भरोसा दोतरफा होता है। जहां एक कंपनी को बाजार के साथ भरोसा बनाने के लिए नियामक के साथ विश्वास बनाना होता है, वहीं नियामक सार्वजनिक शेयरधारकों के प्रतिनिधि के रूप में उद्योग के साथ विश्वास बनाने के लिए काम कर रहा है। बजाज फिनसर्व के प्रमुख और कंपनी संचालन पर सीआईआई परिषद के प्रमुख संजीव बजाज ने कहा, सख्त कंपनी संचालन गतिविधियां टिकाऊ कारोबार के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

विस्तारा एयरलाइन के 15 पायलट दे चुके हैं इस्तीफा: सूत्र

टाटा समूह की एयरलाइन विस्तारा पिछले कुछ सप्ताह से पायलटों के बीच बढ़ते असंतोष से जूझ रही है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वेतन पैकेज में संशोधन का विरोध कर रहे विस्तारा एयरलाइन के 15 पायलटों ने पिछले कुछ दिन में एयरलाइन से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यह एयरलाइन प्रतिदिन 300 से कुछ अधिक उड़ानों का परिचालन करती है और इसके पास 70 विमानों का बेड़ा है।

टाटा समूह की एयरलाइन विस्तारा पिछले कुछ सप्ताह से पायलटों के बीच बढ़ते असंतोष से जूझ रही है। इस दौरान एयरलाइन के ए320 विमानों के कई पायलट खुद को अस्वस्थ बताते हुए अनुपस्थित हो गए।

सूत्रों के मुताबिक, विस्तारा के कम-से-कम 15 पायलटों ने इस्तीफा दे दिया है और एक घरेलू किफायती एयरलाइन से जुड़ गए हैं। हालांकि, इस बारे में विस्तारा के प्रवक्ता ने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। एयरलाइन में लगभग 800 पायलट हैं और इस्तीफा देने वाले वरिष्ठ प्रथम अधिकारियों ने अपना रूपांतरण प्रशिक्षण पूरा कर लिया था जिससे उन्हें बड़े आकार के बोइंग 787 विमानों को संचालित करने की अनुमति मिली।

एयर इंडिया के साथ विलय योजना के दौर से गुजर रही विस्तारा ने पायलटों के लिए नए अनुबंध पेश किए हैं। लेकिन विस्तारा के कई पायलट इसका विरोध कर रहे हैं क्योंकि मुआवजे के निश्चित घटक को कम कर दिया गया है और उड़ान-संबद्ध प्रोत्साहनों पर जोर दिया गया है।

पिछले कुछ सप्ताह में चालक दल की अनुपलब्धता होने से विस्तारा के विमान परिचालन पर असर पड़ा है और कई उड़ानों को रद्द करना पड़ रहा है। इस पर विमानन नियामक डीजीसीए ने एयरलाइन को एक दैनिक रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है।

आतिशी अपने दावे के पक्ष में सबूत दें अन्यथा कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहें : वीरेंद्र सचदेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी को उनके इस आरोप का ब्योरा देने की चुनौती दी कि उन्हें भाजपा में शामिल होने की पेशकश की गई था अथवा कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा गया था।

सचदेवा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यदि आतिशी अपने इस दावे के पक्ष में सबूत देने में विफल रहती हैं कि भाजपा ने उनके एक करीबी मित्र के माध्यम से पार्टी में शामिल होने के लिए उनसे संपर्क किया था, तब भाजपा आप की मंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा,, यदि आतिशी उस व्यक्ति का ब्योरा नहीं दे पाती हैं जिसके बारे में उन्होंने दावा किया है कि उसने भाजपा में शामिल होने के लिए हमारी तरफ से उनसे संपर्क किया था, तब हम उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। वह हम पर निराधार आरोप लगाकर बचकर नहीं निकल सकती हैं। इस बीच, भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी आप नेता से माफी मांगने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि वह अपने दावे के समर्थन में सबूत नहीं देती हैं तो उन्हें कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा,, हम चाहते हैं कि हम पर झूठा आरोप लगाने को लेकर आतिशी माफी मांगें अथवा उस व्यक्ति के बारे में सबूत दें जिसने उनसे संपर्क किया। यदि आज शाम तक वह अपने दावे के पक्ष में कुछ पेश नहीं कर पाती हैं तो हम कानूनी कार्रवाई करेंगे।

तीन किशोरियों से चार लोगों ने बलात्कार किया, सभी आरोपी पकड़े गए

जशपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में दो सगी बहनों समेत तीन लड़कियों से चार लोगों द्वारा कथित तौर पर बलात्कार किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ दो आरोपी नाबालिगों को भी पकड़ लिया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के पत्थलगांव थाना क्षेत्र में तीन बालिकाओं से बलात्कार की दो अलग घटनाओं में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है तथा दो नाबालिग लड़कों को पकड़ लिया है। उन्होंने बताया कि तीन लोगों द्वारा बलात्कार की घटना के बाद तीन लड़कियों में से एक ने जब अपने 17 वर्षीय किशोर मित्र को मदद के लिए बुलाया तब उसने बुलाने वाली लड़की से ही दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दे दिया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 15 से 17 वर्ष उम्र की तीन पीड़ित लड़कियों की शिकायत के आधार पर दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से एक मामला तीन आरोपियों के खिलाफ और दूसरा एक आरोपी लड़के के खिलाफ दर्ज किया गया है।

अल्पसंख्यकों पर हमले को लेकर महबूबा ने भाजपा पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने देश में बेरोजगार युवाओं को अपनी हताशा निकालने के वास्ते मुसलमानों को निशाना बनाने के लिए उकसाया है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री मीडिया में आई उस खबर पर प्रतिक्रिया दे रही थीं जिसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में एक मस्जिद के इमाम को कथित तौर पर बदमाशों ने पीटा और पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई करने से इनकार कर दिया।

मुफ्ती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि भाजपा दावा करती है कि उसने कश्मीर में युवाओं के हाथों में पत्थरों की जगह लैपटॉप दे दिए हैं। उन्होंने कहा, लेकिन देश के बाकी हिस्सों में जो कुछ हो रहा है उस पर एक नजर डालने से ही इस बात के पर्याप्त सबूत मिल जाते हैं कि उन्होंने असंतुष्ट बेरोजगार युवाओं को केवल अपनी हताशा निकालने के लिए मुसलमानों पर लाठियां और डंडा चलाने के लिए उकसाया है।

मुफ्ती ने कहा कि यह दुखद है कि जबतक युवा मुसलमानों को निशाना बना सकते हैं, तबतक उन्हें अपना भविष्य बर्बाद होने की भी परवाह नहीं है।

पीडीपी प्रमुख ने कहा, दो करोड़ नौकरियों के अपने वादे को पूरा करने के बजाय उन्होंने (भाजपा ने) उन्हें (युवाओं को) गुंडा बना दिया है। यह भी दुखद है इन युवाओं को तब तक अपना भविष्य बर्बाद होने से कोई दिक्कत नहीं है जब तक उन्हें मुसलमानों को दंडित करने और अपमानित करने का मौका मिलता रहेगा।

जोमैटो को सेवा कर मांग को लेकर नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन खाने का ऑर्डर देने और उसे मंगाने की सुविधा देने वाले मंच जोमैटो को 184 करोड़ रुपए से अधिक की सेवा कर मांग और जुर्माने को लेकर नोटिस मिला है। कंपनी इस आदेश के खिलाफ उचित प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करेगी। जोमैटो ने सोमवार देर रात शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह आदेश अक्टूबर, 2014 से जून, 2017 के बीच सेवा कर का भुगतान नहीं करने को लेकर दिया गया है। इसका निर्धारण कंपनी की विदेशी अनुषंगी इकाइयों और शाखा की देश के बाहर अपने ग्राहकों को कुछ बिक्री के आधार पर किया गया है।

जोमैटो ने यह भी कहा कि कारण बताओ नोटिस के जवाब में उसने जरूरी दस्तावेज और इस संदर्भ में पूर्व में दिए गए अदालती आदेशों के साथ आरोपों पर स्पष्टीकरण दिया था।

कंपनी के अनुसार, ऐसा लगता है कि आदेश पारित करते समय अधिकारियों ने इसपर गौर नहीं किया। जोमैटो ने कहा कि उसे दिल्ली केंद्रीय कर आयुक्त का एक अप्रैल को पारित आदेश मिला है। जोमैटो ने कहा,, कंपनी को अक्टूबर, 2014 से जून, 2017 की अवधि के लिए दिल्ली केंद्रीय कर आयुक्त (अधिनिर्णय) से आदेश प्राप्त हुआ है। इसमें सेवा कर के रूप में 92,09,90,306 रुपए की मांग की गई है। साथ ही ब्याज और जुर्माने के रूप में 92,09,90,306 करोड़ रुपए की मांग की गई है।

कंपनी के अनुसार, उसका मानना है कि गुण-दोष के आधार पर मामला नहीं बनता है। अत: वह इस संदर्भ में उचित प्राधिकरण के समक्ष आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगी।

आंध्र प्रदेश पीसीसी प्रमुख का मुकाबला कड़प्पा में अपने चचेरे भाई से होगा

अमरावती (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के कडप्पा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस ने पार्टी प्रदेश अध्यक्ष वाई एस शर्मिला को मैदान में उतारा है जहां उनका मुकाबला वाईएसआर कांग्रेस के मौजूदा सांसद तथा उनके चचेरे भाई अविनाश रेड्डी से होगा।

कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एम एम पल्लम राजू और जे डी सीलम को क्रमश: काकीनाड़ा और बापटला से मैदान में उतारा है, जहां 13 मई को लोस चुनाव में मतदान कराया जाएगा। कांग्रेस ने लोस चुनाव के लिए उम्मीदवारों की एक और सूची जारी की, जिसमें प्रदेश के 5 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। सूची के अनुसार गिदुगु रुद्र राजू राजमुंदरी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे जबकि पी जी रामपुलैया यादव को कुरनूल से पार्टी का प्रत्याशी बनाया है। शर्मिला ने इडुपुलापाया में पिता की कब्र पर प्रार्थना करने के बाद राज्य के उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की। कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा चुनावों के लिए 114 उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की। कांग्रेस भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के साथ आंध्र प्रदेश में चुनाव लड़ रही है। प्रदेश की 175 विधानसभा और 25 लोकसभा सीटों के लिए 13 मई को मतदान कराया जाएगा और 4 जून को मतों की गिनती होगी।

एसडीपीआई का यूडीएफ को समर्थन, भाजपा ने राहुल गांधी से रुख स्पष्ट करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (केरल)/भाषा। केरल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रतिबंधित संगठन 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) द्वारा संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को दिए गए समर्थन पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

एसडीपीआई के राज्य नेतृत्व ने सोमवार को कहा था कि उन्होंने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नीत यूडीएफ का समर्थन करने का निश्चय किया है। भाजपा के राज्य प्रमुख के. सुरेंद्रन ने आरोप लगाया कि यह एक ऐसा संगठन है जो देश को तोड़ने की कोशिश कर रहा है। वायनाड लोकसभा सीट पर सुरेंद्रन भाजपा प्रत्याशी के रूप में राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। भाजपा नेता ने एसडीपीआई और पीएफआई पर हिंदुओं और ईसाइयों को मार डालने, मंदिरों और चर्चों को नष्ट करने और भाजपा नेताओं और धार्मिक प्रमुखों पर हमला करने की सार्वजनिक घोषणा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा,, अब एसडीपीआई ने सभी 20 निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस पार्टी को समर्थन देने की घोषणा की है। हम सभी जानते हैं कि पीएफआई पर प्रतिबंध क्यों लगाया गया था। ऐसी पार्टी ने कांग्रेस को समर्थन देने की घोषणा की है। सुरेंद्रन ने कहा कि कांग्रेस ने कहा है कि वह हर तरफ से मिलने वाले समर्थन का स्वागत करेगी। भाजपा नेता ने कहा,, यह बेहद स्तब्ध करने वाला है और कांग्रेस को इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। राहुल गांधी को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। दिन-रात धर्मनिरपेक्षता की बात करने वाले वायनाड के सांसद को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। सुरेंद्रन ने गांधी से यह भी पूछा कि क्या यह उनकी पार्टी की वोटबैंक की राजनीति है और क्या वह और कांग्रेस वोट बैंक के लिए राष्ट्रीय हित से समझौता कर रही है। एसडीपीआई ने सोमवार को आगामी लोकसभा चुनाव में राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को अपना समर्थन दिया। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन ने मीडिया को बताया कि यूडीएफ और एसडीपीआई के बीच किसी तरह का समझौता नहीं हुआ है। एसडीपीआई के प्रदेश अध्यक्ष एम.ए. मौलवी ने कोच्चि में मीडिया से कहा कि सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद पार्टी ने एक धर्मनिरपेक्ष मोर्चे (यूडीएफ) का समर्थन करने का फैसला किया है। केरल में लोकसभा चुनाव 26 अप्रैल को होगा।

बेंगलूरु में मंगलवार को पैलेस ग्राउन्ड में आयोजित 'पांच शक्ति केन्द्र' के कार्यकर्ताओं के समारोह में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सभी का अभिवादन करते हुए।

मोदी तो कभी छुट्टी नहीं लेते जबकि राहुल विदेश में अवकाश मनाते हैं, दोनों का कोई मुकाबला नहीं : शाह

'पांच शक्ति केन्द्र' के नेताओं और कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को किया संबोधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी दलों के 'इंडि' गठबंधन में कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने 'इंडि' 'गठबंधन को परिवारवादियों' और 'भ्रष्टाचारियों' का गठबंधन करार दिया और भरोसा जताया कि भाजपा '400 पार'(लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीट जीतने का लक्ष्य) के लक्ष्य को प्राप्त कर लेगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने भरोसा जताया कि भाजपा कर्नाटक की सभी 28 लोकसभा सीट पर जीत दर्ज करेगी।

शाह ने कहा कि भाजपा नीत राजग और कांग्रेस नीत 'इंडि' गठबंधन का कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने विपक्षी गठबंधन को भ्रष्टाचार और घोटालों का जमावड़ा करार दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कभी छुट्टी नहीं लेने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कांग्रेस नेता राहुल गांधी से कोई मुकाबला नहीं, जो गर्मी शुरू होते ही विदेश का दौरा करते हैं। शाह ने कहा, आगामी लोकसभा चुनावों में, एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और राजग है तथा हम मोदी के

सम्मेलन का दीप जलाकर उद्घाटन करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शा एवं अन्य।

नेतृत्व में चुनाव मैदान में हैं जबकि दूसरी तरफ 'परिवारवादियों' और 'भ्रष्टाचारियों' का 'इंडि' गठबंधन है। केंद्रीय गृहमंत्री ने बेंगलूरु में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने देश भर के लगभग 60 प्रतिशत राज्यों का दौरा किया है और दावा किया कि हर जगह लोग 'मोदी, मोदी' के नारे लगा रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने इस बार भाजपा कार्यकर्ताओं के समक्ष 400 पार' का लक्ष्य रखा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में कर्नाटक की जनता ने 43 प्रतिशत मत और 17 सीट हमें दी थी। 2019 के चुनाव में यहां की जनता ने 51 प्रतिशत मत के साथ हमें 25 सीट दी। लेकिन इस बार मेरी लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं से आग्रह है कि वे 60 प्रतिशत मत और सभी 28 सीट पर भाजपा गठबंधन की जीत सुनिश्चित करें।' शाह उत्तर बेंगलूरु, बेंगलूरु दक्षिण, बेंगलूरु ग्रामीण और चिक्कबल्लापुर लोकसभा क्षेत्र के 'शक्ति केंद्र' (तीन से पांच मतदान बूथ का समूह) नेताओं और कार्यकर्ताओं को यहां के पैलेस ग्राउंड में संबोधित कर रहे थे। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि वह पूरे भरोसे से कह सकते हैं कि कर्नाटक की सभी 28 लोकसभा सीट पर भाजपा-जनता दल (एस) गठबंधन जीतेगा। उन्होंने कहा कि वे कांग्रेस को खाता नहीं खोलने नहीं देंगे।

शाह ने दावा किया, एक ओर

इस मौके पर लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी बेंगलूरु मध्य से पीसी मोहन, बेंगलूरु दक्षिण से तेजस्वी सूर्या, बेंगलूरु उत्तर से शोभा करंदलाजे, बेंगलूरु ग्रामीण से डॉ. सी. मंजुनाथ एवं चिक्कबल्लापुर से डॉ. सुधाकर उपस्थित थे। गृहमंत्री अमित शाह से सभी को साथ लेकर कार्यकर्ताओं से आगामी चुनाव में भारी मतों से विजयी बनाने का आग्रह किया।

नरेन्द्र मोदी हैं जो लगातार 23 साल से मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर काम कर रहे हैं; इन 23 साल में विपक्ष मोदी के खिलाफ 23 पैसे के भ्रष्टाचार का भी आरोप नहीं लगा सकता। उन्होंने कहा, मोदी ने 23 साल में पारदर्शिता का उदाहरण देश में स्थापित किया है। दूसरी ओर भ्रष्टाचार का 'घमंडिया' गठबंधन है।

शाह ने दावा किया कि मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी नीत कांग्रेस के 10 साल के शासन के दौरान 12 लाख करोड़ रुपये का घोटाले और भ्रष्टाचार हुए। उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, ''कर्नाटक की जनता भ्रष्टाचार नहीं चाहती।'' कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग)शासन के दौरान मीडिया में विभिन्न घोटालों जैसे कोयला आवंटन घोटाला, राष्ट्रमंडल खेल, 2जी, आईएनएक्स मीडिया, एयरसेल, नौकरी के बदले जमीन, जम्मू कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन की खबरों की सूची देते हुए शाह ने कहा कि 12 लाख करोड़ रुपये के कथित घोटाले में संलिप्त कांग्रेस मोदी से मुकाबला कर रही है। उन्होंने कहा, देश की जनता के सामने एक स्पष्ट विकल्प है: एक तरफ नरेन्द्र मोदी हैं जिन्होंने 23 वर्ष तक बिना एक पैसे के भ्रष्टाचार के प्रशासन चलाया, जबकि दूसरी तरफ कांग्रेस है जो 12 लाख करोड़ रुपये के घोटालों में शामिल थी।

शाह ने दावा किया, ''इन लोगों को जब भी सत्ता मिलती है, वे न केवल भ्रष्टाचार में लिप्त होते हैं, बल्कि उनका ध्यान कभी भी लोगों की सेवा करने पर केंद्रित नहीं होता है।'' शाह ने कहा कि वह गत 40 साल से मोदी के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी शायद दुनिया के एकमात्र व्यक्ति हैं जो 23 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहे लेकिन एक दिन की भी छुट्टी नहीं ली। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''उन्होंने (मोदी ने) हमेशा भारत के लिए काम किया, एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली। दूसरी ओर, राहुल 'बाबा' गर्मी शुरू होते ही विदेश चले जाते हैं। हर छह महीने में कांग्रेस उन्हें ढूंढती रहती है।'' उन्होंने कहा, ''कोई मुकाबला नहीं है। पूरा देश एकजुट होकर नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा है।''

इस मौके पर भाजपा प्रदेश प्रभारी राधा मोहनदास अग्रवाल, सहप्रभारी सुधाकर रेड्डी, पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा, प्रदेश संगठन महासचिव राजेश जीवी, केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि, पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविन्द कारजोल आदि की सहित अनेक विधायक एवं अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन सप्तगिरि गौड़ा ने किया। संचालन नंदीश रेड्डी और सीके राममूर्ति ने किया।

बीजेपी केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा ने आपत्ति जताई कि कांग्रेसी पैसे और महिलाओं के दम पर तुगलकी सरकार चला रहे हैं। उन्होंने अनुरोध किया कि आपको कांग्रेस से पूछना चाहिए कि आपका प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन है। उन्होंने विश्वास जताया कि हम 28 में से 28 लोकसभा क्षेत्र जीतने जा रहे हैं। सूखे और अविकसितता के कारण कांग्रेस विरोधी लहर है। उन्होंने कहा कि हमें कड़ी मेहनत कर सभी क्षेत्रों में जीत हासिल करनी है। इस मौके पर विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि हमें इस बात का ध्यान रखकर सभी से अपील करनी है कि मोदी हमारे उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा-जदएस पार्टियों के सभी 28 उम्मीदवारों को जीताकर भ्रष्ट कांग्रेस, सरकार को सबक सिखाना है।

प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि यह विकसित भारत का विजय संकल्प सम्मेलन है। प्रधानमंत्री मोदीजी ने बताया कि वर्ष 2047 तक स्वतंत्रता दिवस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर वह अपने देश को एक विकसित देश बनाने के संकल्प के साथ दिन-रात काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 10 साल में विकास समर्थक प्रशासन दिया है, जिस पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा। भारत, जो आर्थिक रूप से 12वें स्थान पर था, अब दुनिया में 5वीं आर्थिक शक्ति बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि मोदी जी की सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए 20 लाख करोड़ से ज्यादा का अनुदान दिया है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यूपीए सरकार ने देश को भ्रष्टाचार और घोटाले दिये हैं।

अमित शाह ने जद(एस) नेताओं से संवाद किया, प्रचार अभियान जोर पकड़ रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान को गति देने के उद्देश्य से मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनता दल (सेक्युलर) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के नेताओं के साथ संयुक्त बैठक की। इस बैठक को भाजपा और जद(एस) द्वारा जमीनी स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित करने और टकराव के संभावित मुद्दों के समाधान के कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

बैठक में दोनों दलों के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे, जिनमें जद (एस) नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, इसके प्रमुख जी.टी. देवेगौड़ा, भाजपा नेता बी.एस येडीयुरप्पा, उनके बेटे एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेन्द्र और कर्नाटक के लिए भाजपा के चुनाव प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल हैं। कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा था कि वह अपनी पार्टी के सहयोगियों के साथ शाह को लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव की स्थिति से अवगत कराएंगे और सुझाव देंगे।

उन्होंने कहा, ''सभी विधानसभा क्षेत्रों में तैयारियां जोरों पर हैं। हम नहीं चाहते कि छोटे-मोटे मुद्दों के कारण दोनों पक्षों में कोई टकराव पैदा हो और हमारा मकसद है कि अपने लक्ष्य तक पहुंचने में छोटी सी भी चूक न हो। इसीलिए हम उनसे सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे।'' लोकसभा चुनाव के लिए सीट-बंटवारे को लेकर बनी सहमति के अनुसार, राज्य में भाजपा 25 निर्वाचन क्षेत्रों में और जद (एस) शेष तीन निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ेंगे।

शाह ने ईश्वरप्पा से उम्मीदवारी वापस लेने को कहा

बागी भाजपा नेता इरादा बदलने के पक्ष में नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिव्वमोग्गा। भाजपा के वरिष्ठ नेता के. एस. ईश्वरप्पा ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें फोन किया और इस लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवारी वापस लेने के लिए कहा लेकिन वह चुनाव लड़ने के अपने फैसले पर अडिग हैं।

निकटवर्ती हावेरी जिले से अपने बेटे के.ई. कांतेश को टिकट नहीं दिए जाने से नाराज पूर्व उप मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि वह शिव्वमोग्गा से चुनाव लड़ेंगे जहां से भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा के बेटे राघवेंद्र को दोबारा टिकट दिया है। पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख रह चुके ईश्वरप्पा ने आरोप लगाया था कि पार्टी के संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य येडीयुरप्पा ने उनके बेटे को टिकट देने का वादा किया था लेकिन उन्हें धोखा दिया।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए दौरे पर आये शाह ने उन्हें फोन किया और उम्मीदवारी वापस लेने को कहा, लेकिन वह (ईश्वरप्पा) नहीं माने। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, आज सुबह 'लौह पुरुष' अमित शाह ने मुझे फोन किया था। उन्होंने मुझसे कहा कि आप इतने वरिष्ठ नेता हैं और चुनाव लड़ रहे हैं, यह आश्चर्य की बात है। उन्होंने मुझसे पूछा कि मैं चुनाव

क्यों लड़ रहा हूं। भाजपा के 75 वर्षीय बागी नेता ने कहा, अमित शाह ने मुझसे चुनाव नहीं लड़ने और नामांकन वापस लेने को कहा। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में सभी मांगों पर गौर किया जाएगा। तीन महीने पहले मैं दिल्ली गया था और मैंने उन्हें (पार्टी में मौजूदा स्थिति) की जानकारी दी थी लेकिन स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ। उनके मुताबिक, शाह ने उन्हें तीन अप्रैल को दिल्ली में मिलने के लिए कहा था। ईश्वरप्पा ने कहा कि वह तैयार हैं लेकिन उनसे अनुरोध किया कि वह उन पर अपना फैसला वापस लेने के लिए दबाव न डालें, क्योंकि इससे उन्हें समस्या होगी। ईश्वरप्पा ने कहा, उन्होंने चुनाव लड़ने के पीछे मेरी भावनाओं को समझा होगा। मैं चुनाव जीतूंगा और इससे उन सभी उद्देश्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी जिनके लिए मैं चुनाव लड़ रहा हूं। उन्होंने यह भी कहा कि शाह ने उनके बेटे के राजनीतिक भविष्य का ख्याल रखने का वादा किया है। उन्होंने कहा, मैंने अपने बेटे से बात की जिसने मुझसे कहा कि मैं उसके भविष्य के बारे में चिंता न करूं और अगर इससे राज्य भाजपा इकाई को मदद मिलेगी तो यह काफी होगा।

केपीएससी का सदस्य बनाने का लालच देकर लगाया 4 करोड़ का चूना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) का सदस्य बनाने का लालच देकर एक महिला से 4 करोड़ 10 लाख रुपए लूटने की शिकायत पुलिस को दी गई। महिला ने पुलिस को बताया कि उसे केपीएससी का सदस्य बनाने के लिए उसकी अच्छी पहुंच हैं और वह अप्रोच करते हुए सदस्य बनवा सकता है। उन्हें बताया गया कि इसका सदस्य बनने के लिए लगभग 6 करोड़ रुपए खर्च होते हैं लेकिन आपको मात्र 4 करोड़ में भी सदस्य बना देंगे। आरोपियों ने महिला से 4 करोड़ 10 लाख रुपए वसूले और महिला को सरकार द्वारा नियुक्ति पत्र भी दिया गया जिस पर राज्यपाल की स्वीकृति भी थी। कुछ ही समय के बाद महिला को पता चला कि वह पत्र नकली है और वह ठगी गई है। अपनी शिकायत में नीलम्मा बेलामाब्बी ने यह सब जानकारी पुलिस को की। गौरतलब है कि कर्नाटक लोक सेवा आयोग, जिसे मुख्य रूप से केपीएससी के नाम से जाना जाता है, कर्नाटक राज्य की एक सरकारी एजेंसी है, जिसका उद्देश्य अपने अधिकार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी और विभागीय परीक्षाओं के माध्यम से विभिन्न सिविल सेवाओं में भर्ती करना है।

पुलिस ने इस सिलसिले में जांच करते हुए रियाज अहमद (41), युसुफ सुब्बकट्टे, चन्द्रप्पा और सुदेश को गिरफ्तार किया है। रियाज मुख्य आरोपी है। उसने बताया कि उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर यह सब किया है।

'इंडि' गठबंधन के दस राजनीतिक दल कर्नाटक में कांग्रेस का समर्थन करेंगे : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश में विपक्षी गठबंधन 'इंडि' द्वारा दस राजनीतिक दलों का समर्थन हासिल करने के लिए चर्चा जारी है । आम आदमी पार्टी समेत इंडिया गठबंधन के दलों के एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शिव कुमार ने कहा, हम कर्नाटक में इंडिया गठबंधन की करीब 10 पार्टियों के समर्थन पर चर्चा कर रहे हैं। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि वे कितना वोट लाते हैं, लेकिन हम उन लोगों के प्रति अधिक उत्सुक हैं जो उनकी विचारधारा का पालन करते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस और जद (एस) ने तुमकुरु में 2019 का चुनाव एक साथ लड़ा था। भाकपा को 17,000 वोट मिले और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा मात्र 12,000 वोटों से चुनाव हार गए, हम 2024 के चुनावों में ऐसी स्थिति नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, हम चाहते हैं कि सभी गठबंधन सहयोगी एकजुट होकर काम करें। हम इस पर चर्चा कर रहे हैं। शिवकुमार ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार विपक्षी नेताओं पर अनावश्यक आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा, ''हम एक सुर में इस कार्रवाई की निंदा करते हैं। भाजपा ने चुनावी बॉण्ड मामले में स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दे रही है। उन्होंने वाम दलों को 11 करोड़ रुपये का नोटिस दिया है। प्रधानमंत्री मोदी को इन बातों पर देश की जनता को जवाब देना होगा ।'' कर्नाटक में कांग्रेस के 20 से अधिक सीटें जीतने का दावा करते हुये शिवकुमार ने कहा कि बेहतर समन्वय के लिए 'इंडि' गठबंधन में शामिल सभी राजनीतिक दलों की एक समन्वय समिति बनायी जाएगी।

पुलिस झंडा दिवस

बेंगलूरु में कर्नाटक राजभवन में थावरचन्द गहलोत ने पुलिस झंड दिवस के मौके पर कर्नाटक के पुलिस अधिकारियों को बधाई दी। इस मौके पर उपमुख्य सचिव एसआर उमाशंकर, कर्नाटक पुलिस प्रमुख डीजी और आईजीपी डॉ. आलोक मोहन , डीजीपी और एडीजीपी स्तर के अधिकारी मौजूद रहे।

सांसद सुमलता आज करेंगी मंड्या पर निर्णय

बेंगलूरु। मंड्या से निर्दलीय सांसद सुमलता अंबरीश आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर अपने फैसले की बुधवार को घोषणा करेंगी। सुमलता ने मंगलवार को अपने समर्थकों से मंड्या स्थित कालिकाम्बा मंदिर में एकत्र होने का आह्वान किया। आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर फैसले की घोषणा करेंगी। मंड्या से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन

से 2019 का चुनाव जीतने वाली अभिनेत्री से नेता बनीं अंबरीश ने इस बारे में मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट साझा की।

सुमलता ने कहा, ''कल (तीन अप्रैल) सुबह 10 बजे मैं कालिकाम्बा मंदिर में पूजा करूंगी, फिर मंदिर परिसर में आप सभी के सामने चुनाव लड़ने के बारे में अपना रुख स्पष्ट करूंगी।'' कर्नाटक में पहले चरण के चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को नामंकन पत्र दाखिल करने का आखिरी दिन था। राज्य की 28 लोकसभा सीटों पर दो चरणों में 26 अप्रैल और सात मई को मतदान होगा।

भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई रोकने के लिए रैलियां कर रहे सारे भ्रष्टाचारी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटपूतली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर कटाक्ष करते हुए हुए मंगलवार को कहा कि यह पहला आम चुनाव है जिसमें सारे भ्रष्टाचारी, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई रोकने के लिए रैलियां कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिवारवादी पार्टियां अपने परिवार को बचाने के लिए रैलियां कर रही हैं। मोदी कोटपूतली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा,कांग्रेस और उसका 'इंडी' गठबंधन देश के लिए नहीं बल्कि अपने स्वार्थ के लिए चुनाव लड़ रहा है। यह पहला ऐसा चुनाव है जिसमें परिवारवादी पार्टियां अपने परिवार को बचाने के लिए रैलियां कर रही हैं। यह पहला ऐसा चुनाव है जिसमें सारे भ्रष्टाचारी मिलकर भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई रोकने के लिए रैली कर रहे है। मैं कहता हूं भ्रष्टाचार हटाओ, वे कहते हैं– भ्रष्टाचारियों को बचाओ। उन्होंने कहा,आज देश में भाजपा की मजबूत और निर्णायक सरकार की जरूरत और ज्यादा है। मैं परिवारवादी पार्टियों व उनके भ्रष्टाचार पर सवाल उठाता हूं इसलिए मैं उनके निशाने पर हूं। वे मुझे गालियां देते हैं। यहां तक कह देते हैं कि अरे मोदी का कोई परिवार नहीं है उसको भ्रष्टाचार की जरूरत नहीं हैतो परिवार है तो आपको भ्रष्टाचार करने का लाइसेंस मिल जाता है क्या? वे कुछ भी कहें..मेरे लिए तो आप ही मेरा परिवार है.. मेरा भारत मेरा परिवार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी मौज करने के लिए नहीं जन्मा है, बल्कि मेहनत करने के लिए जन्म लिया है।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में जो कुछ हुआ, वह तो सिर्फ एक झांकी है और अभी बहुत कुछ करना बाकी है तथा देश को बहुत आगे लेकर जाना है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा,आज देश में भाजपा का मतलब है कि विकास व समाधान। कांग्रेस का मतलब है हर बीमारी की जड़।उन्होंने कहा,जनता के दरबार में हार चुका 'इंडी गठबंधन' अब कैसे मंसूबे पाल चुका है, इसकी भी झलक लगातार देखने को मिल रही है। ये पहला ऐसा चुनाव है जिसमें कांग्रेस पार्टी के बड़े नेता खुद के चुनाव जीतने की बात नहीं कर रहे हैं... खुद जीतेंगे या नहीं जीतेंगे उस पर वे मौन रहते हैं... लेकिन वे देश को धमकी दे रहे हैं कि अगर भाजपा जीती तो देश में आग लग जाएगी। .... मोदी 10 साल से बैठा है जो तुम्हारी लगाई हुई आग को बुझा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2024 का यह लोकसभा चुनाव विकसित राजस्थान और विकसित भारत के संकल्प का चुनाव है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए और भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए है। उन्होंने कहा कि 2024 के इस चुनाव में देश की सियासत फिर दो खेमों में बंटी नजर आ रही है। मोदी ने कहा कि आज एक तरफ 'राष्ट्र प्रथम' का संकल्प लेकर चलने वाली भाजपा है तो दूसरी तरफ देश को लूटने के मौके तलाशने वाली कांग्रेस पार्टी है। उन्होंने कहा कि आज एक ओर देश को परिवार मानने वाली भाजपा है तो दूसरी ओर अपने परिवार को देश से बड़ा मानने वाली कांग्रेस है। उन्होंने कहा कि आज एक ओर दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाने वाली भाजपा है तो दूसरी और विदेश में जाकर भारत को गाली देने वाली कांग्रेस है। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार के कार्यकाल में कश्मीर से धारा 370 हटाने, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण और तीन तलाक को लेकर कानून बनाने जैसे फैसलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा,भाजपा सरकार का तीसरा कार्यकाल ऐतिहासिक और निर्णायक फैसलों का कार्यकाल होने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने जिसे पूछा तक नहीं, मोदी ने उसे पूजा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश के करोड़ों छोटे किसानों को कभी नहीं पूछा मोदी ने राजस्थान के 85 लाख से ज्यादा किसानों के बैंक खातों में पीएम किसान सम्मान निधि के करीब–करीब 20 हजार करोड़ रुपये भेजे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को कभी श्रमिकों और मजदूरों को पूछने की फुर्सत नहीं मिली लेकिन उन्होंने उनको 'वन नेशन वन राशन कार्ड' की सुविधा दी,उनके लिए पेंशन योजनाएं बनाई।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने देश के गरीबों को कभी नहीं पूछा, लेकिन भाजपा सरकार देश के 80 करोड़ जरूरतमंदों को मुफ्त राशन दे रही है। मौजूदा लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान में राजस्थान में मोदी की यह पहली चुनावी रैली थी। रैली में मुख्यमंत्री भजनलाल व जयपुर ग्रामीण सीट से पार्टी के प्रत्याशी राव राजेन्द्र सिंह सहित अन्य नेता भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में लोकसभा चुनाव दो चरणों में 19 और 26 अप्रैल को होंगे। पहले चरण में 19 अप्रैल को 12 सीट (गंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर,भरतपुर, करौली–धौलपुर, दौसा और नागौर) के लिए मतदान होगा। वहीं दूसरे चरण में 13 सीट के लिए मतदान 26 अप्रैल को होगा जिसमें टोंक–सवाई माधोपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालौर, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा और झालावाड़–बारां सीट शामिल हैं।

पूर्व राजघराने के पति पत्नी को टिकट परिवारवाद नहीं : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़। भारतीय जनता पार्टी भाजपा ने पूर्व रियासत मेवाड़ राजघराने से जुड़े पति पत्नी को पार्टी में इससे पूर्व नहीं जुड़े होने के बावजूद टिकट दिये जाने को सही ठहराते हुए परिवारवाद के आरोपों को खारिज कर दिया है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता पंकज मीणा ने आज यहां पत्रकारों से बातचीत में उठे इस सवाल पर कहा कि विधानसभा में नाथद्वारा विधानसभा से पूर्व महाराणा मेवाड़ के पुत्र युवराज विश्वराजसिंह को ठीक चुनाव से पूर्व पार्टी में शामिल कर टिकट देने और अब चार महीने बाद ही उनकी पत्नी महिमाकुमारी को राजसमंद लोकसभा सीट से उम्मीदवार राजघराने के प्रभाव एवं समाज से जुड़ाव को देखते हुए पार्टी ने टिकट दिया है। उनका कथन था कि केंद्र में एक भी ऐसा पदाधिकारी या जन प्रतिनिधि नहीं है जिसके परिवार के किसी सदस्य को बिना पार्टी में काम किये उपकृत किया गया हो।

कांग्रेस में रहते हुए परिवारवाद को स्थापित करने वाले बांसवाड़ा से भाजपा उम्मीदवार महेंद्रजीतसिंह मालवीया पर भी परिवारवाद का आरोप खारिज करते हुए उन्होंने बिना जानकारी के कह दिया कि उन्होंने गहलोत सरकार के कई घोटालों को उजागर किया। पत्रकारों के किसी घोटाले का उल्लेख करने का आग्रह करने पर इसका भी वे कोई जवाब नहीं दे पाए।

गौरतलब है कि मालवीया कांग्रेस में रहते हुए खुद मंत्री थे और उनकी पत्नी जिला प्रमुख एवं अन्य रिश्तेदारों को भी कोई ना कोई पद दे रखा था। इसके साथ ही गहलोत सरकार का कोई घोटाला तो उन्होंने उजागर नहीं किया था बल्कि खुद उनका नाम बांसवाड़ा जिलें जल जीवन मिशन घोटाले में उछला था। चित्तौड़गढ़ में चल रही चरम गुटबाजी पर वे या वार्ता में मौजुद जिलाध्यक्ष मिडुलाल जाट भी कोई जवाब नहीं दे सके। हाल ही बागी चंद्रभानसिंह आक्या से पार्टी ने लोकसभा चुनाव में समर्थन मांगा और उनके साथ पार्टी से निष्कासित पूर्व विधायक बद्रीलाल जाट सहित सत्रह नेता कार्यकर्ताओं को भी पार्टी में शामिल किया गया था।

भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला के नामांकन में शामिल होंगे मुख्यमंत्री भजन लार्ल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। कोटा–बूंदी लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला की नामांकन रैली की जानकारी देते हुए भाजपा कोटा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने बताया कि 3 अप्रेल बुधवार को प्रातः 11 बजे नयापुरा उम्मेदसिंह स्टेडियम के सामने होने वाली आमसभा में राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा, केबिनेट मंत्री किरोडी लाल मीणा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी सहित कई भाजपा नेता आमसभा को संबोधित करेंगे। नामांकन रैली स्टेडियम से महाराज अग्रसेन चैराहा , स्वामी विवेकानंद चैराहा, महर्षि नवल चैराहा, नयापुरा थाने के सामने से , एमबीएस अस्पताल के सामने होते हुए कलेक्ट्रेट जाएगी। कोटा बूंदी लोकसभा क्षेत्र के विधायक, पूर्व विधायक, जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी सहित बडी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता सहित आमजन का जनसैलाब नामांकन रैली में शामिल होगा।

कानून व्यवस्था को लेकर मुख्य सचिव ने ली पुलिस विभाग के साथ बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पन्त ने कहा कि चुनाव के समय मतदाता को मतदान के लिए स्वतंत्र व भयमुक्त वातावरण देना पुलिस विभाग की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मतदाता बिना किसी दबाव, लालच और डर के सुविधापूर्वक मतदान करे इसके लिए पुलिस विभाग विशेष सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करे। उन्होंने चुनावों को प्रभावित करने की मंशा रखने वाले तथा आमजन में भय के वातावरण का निर्माण करने वाले अपराधियों की पहचान कर उनपर सख्त कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। पंत मंगलवार को शासन सचिवालय में लोकसभा चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस विभाग के साथ आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आदर्श आचार संहिता के दौरान पुलिस विभाग द्वारा जब्ती की कार्रवाई, अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अवैध पदार्थों की तस्करी, कानून व्यवस्था, अंतरराज्यीय तथा विभिन्न कुख्यात सगठनों पर कार्यवाही, सामुदायिक व जातीय हिंसा की घटनाओं सहित लोकसभा चुनावों से सम्बंधित सभी आवश्यक विषयों पर चर्चा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

राजस्थान देश में सीजर के मामले में पहले स्थान पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में अलग–अलग एनफोर्समेंट एजेंसियों ने मार्च महीने की शुरुआत से अब तक नशीली दवाओं, शराब, कीमती धातुओं, मुफ्त बांटी जाने वाली वस्तुओं (फ्रीबीज) और अवैध नकद राशि के रूप में लगभग 507.44 करोड़ रुपये कीमत की जब्तियां की हैं। निर्वाचन विभाग के निर्देश पर लोकसभा आम चुनाव–2024 के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद 16 मार्च से अब तक एजेंसियों द्वारा पकड़ी गई वस्तुओं की कीमत 400.44 करोड़ रुपये से ज्यादा है। सीजर के मामले में राजस्थान देश में पहले स्थान पर है। आचार संहिता लागू होने के बाद महाराष्ट्र में 277 करोड़ रुपये, पंजाब में 151 करोड़, दिल्ली में 125 करोड़, पश्चिम बंगाल में 95 करोड़, तमिलनाडू में 78 करोड़, तेलंगाना में 70 करोड़, कर्नाटक में 68 करोड़, गुजरात में 64 करोड़ और मध्य प्रदेश में 59 करोड़ रुपये मूल्य की जब्ती की गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में अलग–अलग एजेंसियां चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से संदिग्ध वस्तुओं और धन के अवैध उपयोग पर कड़ी निगरानी कर रही हैं। इसी क्रम में प्रदेश भर में लगातार जब्ती की कार्रवाई की जा रही हैं। 1 मार्च से अब तक राजस्थान में 14 जिलों में 15–15 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संदिग्ध वस्तुएं और नकदी जब्त की गई है। गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में अलग–अलग एजेंसियों की ओर से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, 1 मार्च, 2024 से अब तक 23 करोड़ 72 लाख रुपये नकद, लगभग 95 करोड़ 61 लाख रुपये मूल्य की ड्रग्स, लगभग 33 करोड़ 13 लाख रुपये कीमत की शराब और 39 करोड़ 7 लाख रुपये मूल्य की सोना–चांदी जैसी कीमती धातुओं की जब्ती की गई है। साथ ही, 314 करोड़ 75 लाख रुपये कीमत की अन्य सामग्री तथा 1 करोड़ 16 लाख रुपये से अधिक कीमत की मुफ्त वितरण की वस्तुएं (फ्रीबीज) भी जब्त की गई हैं।

उन्होंने ने बताया कि आचार संहिता लागू होने के बाद 16 मार्च, 2024 से अब तक 22 करोड़ 76 लाख रुपये नकद, लगभग 48 करोड़ 58 लाख रुपये मूल्य की ड्रग्स, लगभग 27 करोड़ 5 लाख रुपये कीमत की शराब और 31 करोड़ 19 लाख रुपये मूल्य की सोना–चांदी जैसी कीमती धातुओं की जब्ती की गई है। साथ ही, 269 करोड़ 89 लाख रुपये कीमत की अन्य सामग्री तथा लगभग 95 लाख रुपये से अधिक कीमत की मुफ्त वितरण की वस्तुएं (फ्रीबीज) भी जब्त की गई हैं। इन संदिग्ध वस्तुओं के अवैध परिवहन पर कार्रवाई करने वाली कार्यकारी एजेंसियों में राज्य पुलिस, राज्य एक्साइज, नारकोटिक्स विभाग एवं आयकर विभाग प्रमुख हैं। इन जांच एवं निगरानी एजेंसियों और विभागों द्वारा प्रदेश भर में कड़ी निगरानी रखी जा रही है और किसी भी संदेहास्पद मामले पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

नामांकन

झालावाड़–बारां लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी दुष्यंत कुमार मंगलवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान भारी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अजमेर लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस का रहा है दबदबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के अजमेर लोकसभा क्षेत्र में अब तक हुए लोकसभा चुनावों में सर्वाधिक नौ बार बाजी मारकर अपना दबदबा रखा हैं। लोकसभा आम चुनाव–2024 के तहत अजमेर लोकसभा क्षेत्र में दूसरे चरण में आगामी 26 अप्रैल को मतदान कराया जायेगा। यहां भाजपा से सांसद भागीरथ चौधरी को फिर से उम्मीदवार बनाया गया है जबकि कांग्रेस ने नया चेहरे अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी को चुनाव मैदान में उतारा है। अजमेर लोकसभा क्षेत्र में एक उपचुनाव सहित अब तक 17 चुनाव हो चुके हैं और इनमें कांग्रेस नौ बार, भाजपा सात बार जबकि लोकदल एक बार चुनाव जीता है। वर्ष 1957 एवं 1962 में कांग्रेस के मुकुटबिहारी लाल भार्गव ने चुनाव जीता। इसके बाद 1967 एवं 1971 में कांग्रेस के विश्वेश्वर नाथ भार्गव चुनाव जीते। लगातार चार बार कांग्रेस की जीत को वर्ष 1977 में लोकदल प्रत्याशी श्रीकरण शारदा ने तोड़ा और सांसद निर्वाचित हुए।

वर्ष 1980 एवं 1984 के लोकसभा चुनाव में जीत फिर कांग्रेस के खाते में गई और 1980 में कांग्रेस के आचार्य भगवान देव तथा 1984 में विष्णु मोदी ने चुनाव जीता। इसके बाद वर्ष 1989, 1991 एवं 1996 में भाजपा के रासा सिंह रावत ने जीत की हैट्रिक बनाई। इसके बाद वर्ष 1998 में कांग्रेस की डा. प्रभा ठाकुर ने चुनाव जीता। इसके बाद रावत ने वर्ष 1999 एवं 2004 में फिर लगातार दो बार यहां से लोकसभा चुनाव जीता। रावत अजमेर से सर्वाधिक पांच बार सांसद रहे।

वर्ष 2009 के चुनाव में कांग्रेस के युवा सचिन पायलट ने भाजपा की किरण माहेश्वरी को हराकर भाजपा की जीत को रोकने में सफलता हासिल की। वर्ष 2014 में भाजपा से प्रोफेसर सावंरलाल जाट ने भाजपा के पक्ष में परचम फहराया। लेकिन बाद में जाट के निधन होने के बाद वर्ष 2018 में हुए उपचुनाव में कांग्रेस ने फिर बाजी मार ली और कांग्रेस डा. रघु शर्मा ने उपचुनाव जीता। वर्ष 2019 के चुनाव में कांग्रेस ने उद्योगपति रिजु झुंझुंनवाला को भाजपा के भागीरथ चौधरी के सामने चुनाव मैदान में उतारा लेकिन झुंझुंनवाला चौधरी के सामने चुनाव हार गए। इस बार भाजपा ने चौधरी पर फिर भरोसा जताया है। हालांकि चौधरी गत विधानसभा चुनाव हार चुके हैं।

अपील

नागौर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती ज्योति मिर्धा ने मंगलवार को नावां की ग्राम पंचायत शिव में आयोजित चुनावी जनसंपर्क सभा को संबोधित कर आगामी लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत से भाजपा को विजयी बनाने की अपील की।

भारत में चुनावों की निष्पक्षता को लेकर दुनिया चिंतित : गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इलेक्टोरल बॉन्ड और कांग्रेस के बैंक खाते सीज मामले में एक बार फिर पीएम नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। गहलोत ने इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर मोदी के दिए तर्कों में बल नहीं होने की बात कही। जयपुर हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने कहा कि पहले ईडी का डर दिखाकर हजारों करोड़ रुपए इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए बटोर लिए। अब इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर मोदी के मेरठ में दिए तर्कों में बल नहीं है। दो–दो सीएम जेल में हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड से देश को लूटा गया है। इतना भ्रष्टाचार है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के परिजन कह रहे हैं कि इलेक्टोरल बॉन्ड देश ही नहीं, दुनिया का सबसे बड़ा स्कैम है। पहले अमेरिका, जर्मनी और फिर संयुक्त राष्ट्र ने भी चिंता जताई है कि भारत में आम चुनाव निष्पक्ष तरीके से होंगे या नहीं होंगे। कांग्रेस के बैंक खाते सीज कर दिए, सुना है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस कार्रवाई पर स्टे किया है। राजनीतिक दलों के खातों पर रोक लगा दो तो चुनाव कैसे लड़ेंगे। लोकतंत्र में सबको छूट होनी चाहिए।

जाट समाज की बैठक में संकल्प यात्रा कर, भाजपा के समर्थन में वोटिंग पर बनी सहमति

भरतपुर। श्रीराम सौगंध संकल्प यात्रा के तहत जाट समाज की बैठक जाट महासभा के जिला अध्यक्ष प्रेमसिंह कुन्तल एवं अध्यक्षता नरेन्द्र सिंह सिनसिनवार व मोहन रारह सरपंच के नेतृत्व में आयोजित हुई । बैठक में लोकसभा चुनाव में जाट समाज राष्ट्र हित को सर्वोपरि मानते हुए निर्णय लिया गया कि समाज भाजपा के समर्थन में मतदान करेगा। बैठक को संबोधित करते हुए जाट महासभा के जिला अध्यक्ष प्रेमसिंह कुन्तल ने कहा कि राजस्थान में जाट समाज को आरक्षण देने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया था और जाट समाज बुद्धिजीवी एवं पढ़ा–लिखा समाज है। जाट समाज सर्वहारा वर्ग में विश्वास करने वाला समाज है कुछ समाज कंटकों द्वारा निहित स्वार्थों की पूर्ति हेतु राजनैतिक रोटियां सेकने बावत समाज को दिग भ्रमित किया जा रहा है जो कि जाट समाज किसी भी सूरत में बर्दास्त नहीं करेगा।

मतदान करने की अपील

जोधपुर में मंगलवार को कांग्रेस उम्मीदवार करण सिंह उचियारड़ा की नामांकन सभा में उमड़े जन सैलाब से कांग्रेस को मतदान करने की अपील की। इस अवसर पर राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट भी उपस्थित रहे।

लालू की बेटी रोहिणी ने चुनाव प्रचार शुरू किया, सारण को अपनी कर्मभूमि बनाएंगी

सारण/पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने मंगलवार को अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करने के बाद कहा कि वह सारण को जल्द ही अपनी 'कर्मभूमि' बनाएंगी। वह सारण लोकसभा सीट से राजद की प्रत्याशी हैं। सोशल मीडिया पर अपनी सक्रियता और पिता को किडनी दान करने के कारण हाल के दिनो में चर्चा में रहीं आचार्य ने मंगलवार को पटना से सारण के लिए रवाना होने से पहले माता-पिता (लालू प्रसाद और राबड़ी) के चरण स्पर्श किए और घर में बने मंदिरों में पूजा-अर्चना की। आचार्य ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने कल बाबा हरिहा नाथ का आशीर्वाद लिया। अब मैं सारण में अपने मतदाताओं से मिलने जा रही हूं। आपको (मीडियाकर्मियों को) भी मुझे आशीर्वाद देना चाहिए।

मंगलवार को प्रचार अभियान के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए आचार्य ने कहा,, मैं सारण के लोगों से मिल रहे अपार प्यार और आशीर्वाद से अभिभूत हूं। यहां के मतदाता जिस तरह से मुझसे मिल रहे हैं उससे ऐसा लगता है जैसे कि एक बेटी अपने घर आई हो। मैं धन्य हूं। यह (सारण) मेरे पिता की 'कर्मभूमि' रही है और अब यह मेरी कर्मभूमि होने जा रही है। सारण में पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा। सारण से रोहिणी आचार्य को मैदान में उतारने के राजद के फैसले पर टिप्पणी करते हुए बिहार भाजपा अध्यक्ष और राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को पटना में संवाददाताओं से कहा, अपने परिवार के सदस्यों को चुनावी राजनीति में उतारना राजद प्रमुख लालू प्रसाद की पहचान रही है।...इसे कहते हैं 'वंशवादी राजनीति'।

जदयू ने चुनाव प्रचार के लिए गीत 'बढ़ा-बढ़ा हो, लड़ा-लड़ा हो नीतीश' पेश किया

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने लोकसभा चुनाव के लिए दल का विषयपरक (थीमयुक्त) गीत पेश किया जिसमें पार्टी ने अपने 70 वर्षीय नेता को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में दिखाने की कोशिश की है जो 'आगे बढ़ने के साथ लड़ सकता है। बिहार की बोलचाल की भाषा में उक्त गीत 'बढ़ा-बढ़ा हो, लड़ा-लड़ा हो नीतीश कुमार'' को यहां जदयू कार्यालय में बिहार के मंत्रियों विजय कुमार चौधरी, अशोक चौधरी, पार्टी के राज्यसभा सदस्यों संजय झा और अनिल हेगड़े सहित पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में पेश किया गया। पार्टी नेताओं ने चुनाव प्रचार वाहनों को भी हरी झंडी दिखाई जिनका उपयोग जदयू के उम्मीदवार अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में अभियान के दौरान करेंगे।

गीत में कुमार की उस समय राज्य की बागडोर संभालने के लिए प्रशंसा की गई है, जब यह कांटों का ताज था। गीत में 'खोए हुए सम्मान को वापस लाने' के लिए भी उनकी तारीफ की गई है। यह गीत बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग सरकार द्वारा राज्य में किए गए विकास कार्यों पर प्रकाश डालता है। यह महिलाओं के उत्थान और राज्य सरकार की नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में वंचित जातियों के लिए कोटा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के लिए की गई राज्य सरकार की पहल पर भी प्रकाश डालता है।

भाजपा ने ओडिशा विस चुनाव के लिए 112 उम्मीदवारों की सूची जारी की, 22 में 21 विधायकों को दिया टिकट

नई दिल्ली/भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को आगामी ओडिशा विधानसभा चुनाव के लिए 112 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। पार्टी ने अपने 22 मौजूदा विधायकों में से 21 पर फिर से भरोसा जताते हुए उन्हें उम्मीदवार बनाया है। भाजपा का टिकट नहीं पाने वाले एकमात्र विधायक पुरी जिले के ब्रह्मगिरि से ललितेंदु विद्याधर महापात्रा हैं। महापात्रा की भतीजी उपासना महापात्रा को ब्रह्मगिरी विधानसभा सीट से टिकट मिला है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के खिलाफ हिंजली विधानसभा सीट से शिशिर मिश्रा को मैदान में उतारा गया है।

इस सूची में उपासना सहित आठ महिला उम्मीदवार हैं। इनमें सुंदरगढ़ की विधायक कुसुम टेटे, सेबती नायक (बोनाई), बबीता मलिक (बिंझरपुर), स्मृति रेखा पाही (धर्मशाला), कल्पना कुमार खारा (बालीगुडा), पार्वती परीदा (नीमापारा) और प्रत्यूषा राजेश्वरी सिंह (नयागढ़) शामिल हैं। प्रत्यूषा राज्य की सत्ताधारी बीजू जनता दल (बीजद) की पूर्व सांसद हैं और नयागढ़ विधानसभा सीट से पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक अरुण कुमार साहू के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। बीजद और भाजपा ने राज्य में 2019 के चुनावों में क्रमशः 112 और 23 सीट जीतीं जबकि कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही थी।

उत्तर प्रदेश के मेरठ से भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल ने किया नामांकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ (उप्र)/भाषा। दूरदर्शन पर पूर्व में प्रसारित लोकप्रिय धारावाहिक 'रामायण' में श्रीराम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल ने मंगलवार को मेरठ लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के तौर पर नामांकनपत्र दाखिल कर दिया। इस दौरान गोविल के साथ उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी मौजूद रहे।

मौर्य ने संवाददाताओं से कहा,, अरुण गोविल जी ने आज अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। यहां आज कार्यकर्ताओं और जनता में जबर्दस्त विश्वास है कि भाजपा उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीट और पूरे देश में 400 सीट जीतने का लक्ष्य प्राप्त करेगी।

इस सवाल पर कि वह भाजपा का मुकाबला किस पार्टी से मानते हैं, मौर्य ने कहा,, हमारे हिसाब से कोई मुकाबले में नहीं है। उन्होंने दावा किया,, विपक्ष कहीं है ही नहीं। समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस में घमासान है। हमारी तैयारी 2024 से लेकर 2047 तक के लिए है।

अरुण गोविल ने इस अवसर पर कहा कि वह भाजपा नेतृत्व को धन्यवाद देना चाहते हैं कि उसने उनपर विश्वास करके मेरठ से प्रत्याशी बनाया। उन्होंने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। यह एक नई पारी की शुरुआत है। मुझे कहीं कोई दिक्कत नहीं दिखाई दे रही है। मुझे अपने घर से प्रत्याशी बनाया गया है। मैं अब अपने लोगों के लिए काम कर पाऊंगा। बाकी रामजी सब ठीक करेंगे।

इस सवाल पर कि धारावाहिक रामायण में भगवान राम की भूमिका में तो जनता ने खूब पसंद किया लेकिन क्या राजनेता के तौर पर भी अवाम उन्हें पसंद करेगी, गोविल ने कहा, अभी तक जनसंपर्क के दौरान मैं जहां भी गया हूं, देखकर लगता है कि पहले से भी ज्यादा प्यार मुझे अब मिल रहा है। मुझे देखकर चारों तरफ'जय श्री राम' के नारे लगाए जाते हैं।

शाहनवाज ने मुसलमानों से मोदी पर भरोसा रखने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भाजपा के वरिष्ठ नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने मंगलवार को लोकसभा चुनाव के लिए उनकी पार्टी द्वारा वितरित किए गए टिकटों में मुसलमानों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलने के सवाल को टालते हुए अल्पसंख्यक समुदाय से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के आदर्श वाक्य पर विश्वास करने का आग्रह किया।

पटना में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, संसद में अधिक मुसलमानों का होना उनके कल्याण की कोई गारंटी नहीं है। जब पी वी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे तो शायद लोकसभा और केंद्रीय मंत्रिमंडल में मुसलमानों का प्रतिनिधित्व सबसे ज्यादा था और उसी समय बाबरी मस्जिद ढहा दी गई थी। हुसैन ने यह भी बताया कि पार्टी ने केरल के कालीकट से एक मुस्लिम शिक्षाविद् को टिकट दिया है और लक्षद्वीप में इस समुदाय के एक अन्य सदस्य को मैदान में उतारे जाने की संभावना है।

बिहार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यहां राजग का एक मुस्लिम उम्मीदवार है जिसका भाजपा समर्थन करेगी। जहां तक हमारी पार्टी की बात है तो हम सिर्फ 17 सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। हम हर जाति और धर्म को प्रतिनिधित्व नहीं दे सकते। हुसैन ने 1990 के दशक में राज्य की किशनगंज सीट से जीत दर्ज करके लोकसभा में पदार्पण किया था और वह मुस्लिम बहुल उक्त सीट जीतने वाले एकमात्र भाजपा उम्मीदवार बने थे। यह निर्वाचन क्षेत्र अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के पास है जो भाजपा की सहयोगी पार्टी है।

हेमंत के साथ अन्याय हुआ : चंपई सोरेन

झारखंड में सभी 14 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करेगा झामुमो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ अन्याय होने का दावा करते हुए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने मंगलवार को कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) कल्पना सोरेन को गांडेय विधानसभा से उम्मीदवार बनाने के बारे में एक सप्ताह में अंतिम निर्णय करेगा। कल्पना सोरेन पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन की पत्नी हैं।

चंपई सोरेन (68) ने साक्षात्कार में कहा कि यदि कल्पना सोरेन विधानसभा चुनाव लड़ती हैं और जीत जाती हैं तो उन्हें मुख्यमंत्री बनाने या नहीं बनाने का फैसला झामुमो लेगा। गांडेय विधानसभा के लिए उपचुनाव राज्य में लोकसभा चुनाव के साथ 20 मई को होगा। गिरिडीह जिले की यह सीट झामुमो विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद खाली हो गई थी और इस तरह की अटकलें हैं कि वहां से कल्पना को चुनाव लड़ाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा, झामुमो एक सप्ताह के अंदर इस बारे में फैसला करेगा कि क्या कल्पना सोरेन को गांडेय विधानसभा सीट से खड़ा किया जाएगा। अगर वह चुनाव लड़ती हैं और जीतती हैं तो क्या उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाएगा, इस बारे में फैसला पार्टी अध्यक्ष शिबू सोरेन, हेमंत सोरेन समेत पार्टी के नेता लेंगे। कल्पना सोरेन की राजनीतिक यात्रा 4 मार्च को गिरिडीह जिले में आयोजित झामुमो के 51वें स्थापना दिवस समारोह से शुरू हुई, जब उन्होंने भाषण में दावा किया था कि 2019 में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के सत्ता में आने के बाद से विरोधियों द्वारा साजिश रची गई थी। चंपई सोरेन ने दावा किया कि हेमंत सोरेन के साथ घोर नाइंसाफी हुई है जिन्हें ईडी ने एक कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। भाजपा की अगुवाई वाली ताकतें उन्हें जेल में डालने में सफल हो सकती हैं लेकिन झारखंड के आदिवासी भाजपा को आगामी लोकसभा चुनाव में बाहर का रास्ता दिखा देंगे।

उच्चतम न्यायालय ने दोषसिद्धि के खिलाफ मुख्तार अंसारी की अपील पर सुनवाई रोकी

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मुख्तार अंसारी की मौत पर संज्ञान लेते हुए उस मामले को बंद कर दिया जिसमें उसने 24 साल पुराने मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा खुद को पांच साल कारावास की सजा सुनाए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। मुख्तार अंसारी ने जेल में रहते हुए सजा के खिलाफ अपील दाखिल की थी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने अंसारी के निधन संबंधी बयान पर संज्ञान लेते हुए कहा,, याचिकाकर्ता अब जीवित नहीं है। इसलिए सुनवाई की प्रक्रिया समाप्त की जाती है। अंसारी की 28 मार्च को उप्र के बांदा जेल के अस्पताल में हृदयाघात से मौत हो गई थी। पिछले साल 13 अक्टूबर को शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अंसारी द्वारा दाखिल अपील पर उप्र सरकार से जवाब तलब किया था। इससे पहले 23 सितंबर को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने गैंगस्टर अधिनियम के तहत मामले में अंसारी को अधीनस्थ अदालत द्वारा बरी करने के आदेश को पलटते हुए पांच साल कारावास की सजा सुनाई थी। उच्च न्यायालय ने सांसद/विधायक विशेष अदालत द्वारा 2020 में बरी किए जाने के फैसले को पलटते हुए अंसारी पर 50 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया था।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाला शिवसेना का गुट हिंदुत्व की राह पर नहीं : दिनेश शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महाराष्ट्र प्रभारी दिनेश शर्मा ने मंगलवार को कहा कि जिस तरह के हिंदुत्व के लिए शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ता उम्मीद करते हैं कि वह अब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी द्वारा नहीं बल्कि भाजपा द्वारा अपनाया जा रहा है। शर्मा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस के साथ हाथ मिलाकर भारतीय जनता पार्टी को धोखा दिया तथा पार्टी का रुख हिंदुत्व समर्थक से बदलकर राममंदिर विरोधी बना दिया।

भाजपा के राज्यसभा सदस्य शर्मा ने कहा,, शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ता पार्टी से जिस प्रकार के हिंदुत्व की उम्मीद करते हैं, उस पर भाजपा चलती है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने कांग्रेस के साथ हाथ मिला लिया और वह उस राह पर नहीं चलती है। यह वही कांग्रेस है जिसने एक बार अयोध्या में रामलला के अस्तित्व को ही खारिज कर दिया था।

उन्होंने दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अयोध्या के राममंदिर मुद्दे के इर्द-गिर्द केंद्रित है। उन्होंने कहा,, यह चुनाव मोदी और भगवान राम के बारे में है। मैं एक बैठक में गया जहां महिलाओं ने मुझसे कहा कि वे ऐसे व्यक्ति को चुनना चाहती हैं जो रामलला को मंदिर में वापस लाया।

आप ने संजय की जमानत पर कहा

देश में लोकतंत्र के लिए बड़ा दिन, सत्यमेव जयते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन के मामले में पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को जमानत देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का मंगलवार को स्वागत किया।

पार्टी ने कहा कि, यह देश में लोकतंत्र के लिए बड़ा दिन है और उम्मीद का क्षण है। 'आप' नेताओं ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि अदालत के आदेश से 'उजागर' हो गया है कि आबकारी नीति घोटाले का पूरा मामला चश्मदीदों और सरकारी गवाहों से 'जबरन' ली गई गवाही पर आधारित है। आधिकारिक सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सिंह को मंगलवार सुबह अस्पताल लाया गया और उन्हें बुधवार को रिहा किए जाने की संभावना है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अब रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन के मामले में पिछले साल चार अक्टूबर को गिरफ्तार किया था।

दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने संवाददाता सम्मेलन में कहा,, यह देश के लोकतंत्र के लिए बड़ा दिन है और खुशी एवं उम्मीद का क्षण है। दिल्ली सरकार की एक और कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि गत दो साल से आप नेताओं को फर्जी मामले में निशाना बनाया जा रहा और गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा,, अदालत की सुनवाई से दो अहम बाते जनता के सामने आई हैं। पहला जब उच्चतम न्यायालय ने जब पैसों की लेनदेन के बारे में पूछा तो ईडी के पास कोई जवाब नहीं था।

दूसरा, ईडी का पूरा मामला सरकारी गवाहों के बयानों पर आधारित है जिनपर केजरीवाल के खिलाफ बयान देने लिए दबाव बनाया गया। दिल्ली आबकारी नीति 'घोटाले' में ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी ईडी ने गिरफ्तार किया है। अदालत ने उन्हें सोमवार को 15 अप्रैल तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

आतिशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिंह की जमानत की खबर साझा की और लिखा,, सत्यमेव जयते।

'आप' विधायकों ने सुनीता केजरीवाल से की मुलाकात, कहा कि मुख्यमंत्री न दें इस्तीफा

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने मंगलवार को अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता से मुलाकात की और कहा कि मुख्यमंत्री को जेल से ही सरकार चलानी चाहिए और इस्तीफा नहीं देना चाहिए। केजरीवाल को अब रद्द हो चुकी आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले महीने गिरफ्तार किया था। वह 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं।

पार्टी नेताओं के मुताबिक, मंगलवार को बैठक के दौरान 'आप' विधायकों ने सुनीता केजरीवाल से कहा कि दिल्ली के दो करोड़ लोग मुख्यमंत्री के साथ खड़े हैं और उन्हें किसी भी कीमत पर इस्तीफा नहीं देना चाहिए। दिल्ली में 'आप' के 62 विधायकों में से 55 विधायक बैठक में मौजूद थे। 'आप' नेताओं ने कहा कि चार विधायक शहर से बाहर हैं जबकि तीन - केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येन्द्र जैन जेल में हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मांग की है कि कथित शराब नीति घोटाले में गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। 'आप' के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद विधायक सुनीता केजरीवाल से मिलना चाह रहे थे।

भाजपा देश में रूस और चीन जैसा शासन चाहती है : फारूक अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने दावा किया कि भाजपा देश में रूस और चीन जैसा शासन दोहराना चाहती है। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) देश के संविधान की रक्षा के लिए आगे आया है भले ही यह 'हमारी जान' की कीमत पर हो।

उन्होंने 1970 के दशक में श्रीलंका को सौंपे गए कच्चातिवु द्वीप के मुद्दे पर भी केंद्र पर निशाना साधा और सवाल किया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार लद्दाख में चीन की 'लगातार घुसपैठ' और अरुणाचल प्रदेश में भूमि पर उसके दावों पर चुप क्यों है। अब्दुल्ला ने कहा,, संविधान की रक्षा के लिए 'इंडिया' का गठन किया गया है क्योंकि ऐसी आशंका है कि (भाजपा द्वारा) संविधान को समाप्त कर दिया जाएगा... यहां (भारत में) वही होगा जो (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन और चीन के राष्ट्रपति (शी चिनफिंग) ने किया है। वे (भाजपा) प्रयास कर रहे हैं क्योंकि वे जीवन भर (बिना किसी विरोध के) देश पर शासन करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' ऐसा नहीं होने देगा और जान की कीमत पर भी डॉ. बी आर आंबेडकर द्वारा दिए संविधान की रक्षा करेगा।

डेविस हसी ने कहा, ऐसा लगता है कि विराट कोहली ने फिर खुद को निखार लिया है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड हसी का मानना है कि विराट कोहली 'फिर से निखर' गए हैं। उन्होंने इस भारतीय बल्लेबाज के स्ट्राइक रेट पर बहस के बीच इस चैंपियन खिलाड़ी को नजरअंदाज करने के खिलाफ चेतावनी दी।

आईपीएल के मौजूदा सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के लिए सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में सबसे आगे होने के बावजूद कोहली को पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पर्याप्त आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी नहीं करने के लिए कुछ आलोचना का सामना करना पड़ा। कोहली अभी राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने तीन मैच में 141.4 के स्ट्राइक रेट से दो अर्द्धशतक के साथ 181 रन बनाए हैं। टी20 विश्व कप नजदीक होने के कारण टीम में कोहली की जगह भी चर्चा का विषय बनी हुई है। उन्होंने पिछले टूर्नामेंट में मेलबर्न में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ भारत के लिए सबसे यादगार पारियों में से एक खेली थी। हसी से जब पूछा गया कि कोहली के स्ट्राइक रेट को लेकर चल रही बहस पर उनका क्या कहना है तो उन्होंने कहा,, विराट कोहली सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, क्या वह इस समय आईपीएल में नहीं हैं?'' उन्होंने कहा,, वह काफी अच्छे खिलाड़ी हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें काफी ज्यादा परेशानियां होंगी। अगर आप इस आईपीएल में स्ट्राइक रेट देखें तो ऐसा लगता है कि वह अपने खेल को एक नए स्तर पर ले गए हैं, उनमें फिर से निखार आया है। हसी ने क्रिकेट विक्टोरिया और खेलोमोर के बीच साझेदारी के तौर पर मेलबर्न क्रिकेट अकादमी के लॉन्च की घोषणा के मौके पर कहा,, आप चैंपियंस को कभी भी खारिज नहीं करते। जैसे आप स्टीव स्मिथ को कभी खारिज नहीं करते। आप रिकी पोंटिंग, सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों को कभी चुका हुआ नहीं मान सकते।

हम कभी हार नहीं मानते, संघर्ष करते रहेंगे : हार्दिक पंड्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व चैम्पियन टीम हार नहीं मानेगी और हार की हैट्रिक के बावजूद मौजूदा आईपीएल में संघर्ष जारी रहेगा।

हार्दिक ने एक्स पर पोस्ट किया, इस टीम के बारे में आपको एक बात पता होनी चाहिए। हम हार नहीं मानते। हम संघर्ष जारी रखेंगे। हौसला बना रहेगा।

रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाए जाने के बाद से हार्दिक को प्रशंसकों का आक्रोश झेलना पड़ रहा है। पहले दो मैचों में दर्शकों ने उनकी हूटिंग की और वानखेड़े स्टेडियम पर मुंबई के इस सत्र के पहले मैच में भी उन्हें इसका सामना करना पड़ा।

कप्तान के तौर पर हार्दिक के कुछ फैसलों की भी आलोचना हुई है। मसलन जसप्रीत बुमराह को नई गेंद नहीं सौंपना या खुद टिम डेविड के बाद बल्लेबाजी के लिए उतरना।

केकेआर-रॉयल्स, गुजरात-दिल्ली आईपीएल मैच का कार्यक्रम बदला: बीसीसीआई

नई दिल्ली/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के घरेलू मैच को मंगलवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन पहले 16 अप्रैल को कराने का फैसला किया गया जबकि गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच अहमदाबाद में होने वाले मैच के कार्यक्रम में भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बदलाव किया है। बीसीसीआई ने हालांकि ऐसा करने का कोई कारण नहीं बताया।

पीटीआई ने सोमवार को अपनी खबर में कहा था कि केकेआर और रॉयल्स के बीच 17 अप्रैल को होने वाले मुकाबले के कार्यक्रम में राम नवमी के कारण बदलाव लगभग तय है। बीसीसीआई ने हालांकि इन दोनों मैच के कार्यक्रम में बदलाव का कोई कारण नहीं बताया।

बीसीसीआई ने बयान में कहा,, कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में 17 अप्रैल 2024 को होने वाला मुकाबला अब एक दिन पहले 16 अप्रैल 2024 को होगा।

सुविचार

ये क्या सोचेंगे, वो क्या सोचेंगे ? दुनिया क्या सोचेगी ? इससे ऊपर उठकर कुछ सोच, जिन्दगीं सुकून का दूसरा नाम हो जाएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सतर्क रहे बांग्लादेश

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने देश में भारतीय उत्पादों के बहिष्कार की कथित मुहिम चलाने वाले तत्त्वों को जिस तरह आड़े हाथों लिया, वह सराहनीय है। वास्तव में भारतीय उत्पादों के बहिष्कार के नारे लगाना और लोगों को उकसाना तो एक बहाना है। इनका असल मकसद दोनों देशों के बीच संबंधों में बुरी तरह कड़वाहट घोलना है। ये मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्ज़ू के नक्शे-कदम पर चलना चाहते हैं। एक ऐसा देश, जिसे भारत ने जुल्म से मुक्ति दिलाई, अपने सैकड़ों सैनिकों का बलिदान दिया, समय-समय पर आर्थिक सहायता दी, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सबसे पहले मदद पहुंचाई, विभिन्न सुविधाओं के साथ अर्थव्यवस्था को मजबूती दी ... अब उसी देश में कुछ लोग भारत के विरोध में नारेबाजी कर रहे हैं! स्पष्ट है कि बहिष्कार की इस कथित मुहिम को हवा देने वाले लोग या तो भ्रमित हैं या उन्होंने अपने ही देश का बेड़ा गर्क करने के लिए किसी से गुप्त समझौता कर लिया है। कोई भी विवेकशील बांग्लादेशी नहीं चाहेगा कि भारत के साथ उसके देश के संबंध तनावपूर्ण हों। आज बांग्लादेश कई क्षेत्रों में जिस तरह अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, उसकी जीडीपी, मुद्रा, पासपोर्ट की स्थिति मजबूत हो रही है, उसके पीछे भारत का बड़ा योगदान है। दिसंबर 1971 में पाकिस्तान की फौज ने बांग्लादेश को खंडहर बनाकर छोड़ा था। उस समय भारत ही था, जिसने इस पड़ोसी देश के नवनिर्माण में हर तरह से सहयोग दिया था। बांग्लादेश की नौजवान पीढ़ी को नहीं मालूम होगा कि भारतीय डॉक्टरों ने वहां दिन-रात काम करते हुए जरूरतमंदों का मुफ्त इलाज किया था। आज भी बांग्लादेश में किसी जटिल सर्जरी का मामला आता है और उसकी सरकार अनुरोध करती है तो भारतीय डॉक्टर एक फोन कॉल पर उस मरीज का जीवन बचाने के लिए तैयार हो जाते हैं।

बांग्लादेशी प्रधानमंत्री ने भारत-विरोधी तत्त्वों को भारतीय साड़ियां जलाने की चुनौती देकर इस कथित मुहिम की पोल खोल दी है। इसके पीछे बीएनपी है, जिसने हमेशा भारत-विरोधी रुख अपनाया है। जब यह पार्टी सत्ता में थी, इसने बांग्लादेश में भारत-विरोधी तत्त्वों को खूब बढ़ावा दिया था। इसके कई नेता और कार्यकर्ता साल 1971 के युद्ध के दौरान गंभीर अपराधों में लिप्त रह चुके हैं। इस पार्टी को पाकिस्तान में बहुत पसंद किया जाता है। खासतौर से पाक फौज और आईएसआई के अधिकारियों के लिए तो यह आंखों का तारा है! ऐसे में अगर बीएनपी भारतीय उत्पादों के बहिष्कार की बात करे तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। हां, अगर बहिष्कार करने की ठान ही ली है तो ऐसा पूरी तरह करें। भारत से आने वाले मिर्च-मसालों, सब्जियों, चीनी, गुड़, तेल को छोड़ें और बेस्वाद खाना खाएं। वाहनों, उनके कल-पुर्जों से दूरी बनाएं और बैलगाड़ी पर सफर करें। मशीनरी, बिजली के उपकरणों, रसायनों, लोहा, विभिन्न धातुओं का भी इस्तेमाल करना छोड़ें और पाषाण युग में जीने की आदत डालें। इतना ही नहीं, चाय-कॉफी, प्लास्टिक सामग्री, मेवे, शहद, डेयरी उत्पाद, पेट्रो उत्पाद, कृषि उत्पाद, आभूषण, दवाइयां ... और वे सभी चीजें, जो भारत बहुत कम कीमत पर बांग्लादेश को देता है, उनका भी बहिष्कार करें और अन्य देशों से ऊंची कीमतों पर खरीदें। इसके बाद एक महीने में आटे-दाल का भाव मालूम हो जाएगा। बांग्लादेश के बुद्धिजीवी वर्ग की जिम्मेदारी है कि वह अपने देश में ऐसे लोगों को शिक्षित करे, जो किसी के बहकावे में आकर भारत से संबंध बिगाड़ने को आमादा हो जाते हैं। बांग्लादेश में भारतीय उत्पादों का बहिष्कार करने संबंधी नारे क्षणिक प्रचार तो दिला सकते हैं, लेकिन कालांतर में ये इस पड़ोसी देश की शांति और समृद्धि के लिए घातक ही सिद्ध होंगे। बांग्लादेश को सतर्क रहना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

मैं परिवारवादी पार्टियों और उनके भ्रष्टाचार पर सवाल उठाता हूं। इसलिए मैं उनके निशाने पर हूं। वो मुझे गालियां देते हैं और कहते हैं कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। मेरे लिए तो आप ही मेरा परिवार हैं। मेरा भारत, मेरा परिवार है।

-नरेन्द्र मोदी

शीतलाष्टमी पर जोधपुर में कागा माता शीतला माता मन्दिर में गैर लेकर आए युवाओं से मिलकर आस्था का नवआनंद मिला। मंदिर में सनातनी आस्थावानों का मेला लगा है। पूर्व ज़िला अध्यक्ष भाई श्री नरेन्द्र सिंह कच्छवाह ने दिल छू लेने वाला स्वागत किया, उनका आभार!

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

नागौर लोकसभा क्षेत्र के हर गांव ढाणी व शहरों के तमाम परिवारजनों को आपकी बेटी का सप्रेम राम राम। मैं आप सब बड़े-बुजुर्गों के आशीर्वाद, नौजवान शुभचिंतक भाइयों के प्रेम की बदौलत इस बार भाजपा के प्रत्याशी के रूप में आपके स्नेह की पूर्ववत प्रबल आकांक्षी हूं ।

-ज्योति मिर्धा

प्रेरक प्रसंग

विनम्रता से पात्रता

घड़े के ऊपर रखी हुई कटोरी ने घड़े से कहा, 'तुम तो बड़े उदार हो। जो भी तुम्हारे पास आता है, उसे तुम भर दिया करते हो।' कटोरी ने कहा, 'मैं तो सदैव तुम्हारे साथ ही रहती हूं, तब भी तुम मुझे खाली रखते हो।' घड़े ने कहा, 'इसमें मेरा कोई दोष नहीं, तुम प्यासी हो, तुम खाली हो, तुम अतृप्त हो। यह तो तुम्हारी ही सोच का परिणाम है, तुम मेरे साथ रहती जरूर हो, लेकिन हर समय मेरे सिर पर चढ़ी रहती हो। तुम भी अगर नीचे उतरो, अपना अभिमान त्यागो, अपने अंदर पात्रता उत्पन्न करो और झुको, तो मैं तुम्हें भी भर दूंगा; लेकिन जब तक तुम अभिमान और अहंकार से मेरे सिर पर चढ़ी रहोगी, तब तक मैं तुम्हें कैसे भर सकता हूं।' ज्यों ही कटोरी घड़े के सिर से उतरती है, उसके सामने झुकती है, वह स्वयं ही भर जाती है। जब कटोरी विनम्र हो गई, उसने पात्रता हासिल कर ली और भर गई।

सामयिक

विपक्ष बनाम सत्तारूढ़ घटक की रैली

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

31 मार्च को राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की तथा चुनाव की घोषणा के बाद उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजग की पहली रैली मेरठ में हुई। हालांकि इस बार मेरठ रैली से ज्यादा प्रचार रामलीला मैदान की थी, क्योंकि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी तथा कांग्रेस पर आयकर विभाग द्वारा 3567 करोड़ की देनदारी का नोटिस मिलने के बाद यह पहली रैली थी। निश्चित रूप से चुनावी माहौल के कारण दोनों का महत्व था और संपूर्ण देश का ध्यान दोनों की ओर था। भाजपा और राजग की दृष्टि से देखें तो यह चुनाव की सामान्य रैली मानी जाएगी। जयंत चौधरी के राष्ट्रीय लोक दल का भाजपा के साथ गठबंधन है और वो इस रैली में मौजूद रहेंगे इसे लेकर किसी को संदेह नहीं था। इसलिए रैली का आकर्षण तो था किंतु कौतूहल जैसा कुछ नहीं था। इसके समानांतर आईएनडीआईए की रैली को लेकर कौतूहल भी था तथा इसके नेताओं के लिए अभी तक का सबसे बड़ा अवसर भी माना जाएगा। कारण, विपक्ष जनता के बीच स्वयं को पीड़ित और दमित बताकर चुनाव में जा रहा है तथा उसका मूल स्वर यही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाले सरकार विपक्षी नेताओं और पार्टियों को खत्म करने के लिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है जो देश में लोकतंत्र को खतरा है। इसलिए इसका नाम ही लोकतंत्र बचाओ रैली दिया गया। स्वाभाविक ही राजधानी दिल्ली से देश की जनता को अपनी बात प्रभावशाली ढंग से पहुंचाने तथा उनका समर्थन हासिल करने की संभावना पैदा करने का अभी तक का सबसे बड़ा अवसर था। अगर वह अपने कार्यकर्ताओं घनघोर समर्थकों के अलावा कुछ समूह को और प्रभावित कर पाते तो चुनाव में ताकत बढ़ाने की संभावना पैदा हो सकती थी। प्रश्न है कि क्या इस दृष्टि से आईएनडीआईए की रामलीला मैदान रैली वाकई सफल मानी जा सकती है?राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी का अभी तक ठोस जनाधार बना हुआ है। 70 में से 62 विधायक उसके हैं। इस कारण यहां अच्छी खासी संख्या अपेक्षित ही थी। इसके साथ पंजाब में भी उनकी सरकार है और हरियाणा, राजस्थान से कांग्रेस के लोगों की उपस्थिति भी संभावित थी। अखिलेश यादव इसमें शामिल थे इसलिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश से सपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों का भी आना निश्चित था। यह तो नहीं कहा जा सकता कि संख्या दृष्टि से रैली कमजोर थी। संख्या ठीक-ठाक थी। किंतु इतनी तैयारी के बाद राजधानी दिल्ली में जिस तरह का जैन सैलाब दिखना चाहिए था वैसा नहीं दिखा यह सच है। अरविंद केजरीवाल के गिरफ्तार होने के बाद से इस प्रश्न का उत्तर नहीं मिल रहा है की इतनी विधायकों और पार्षदों वाली पार्टी का प्रचंड विरोध दर्शन राजधानी में क्यों नहीं हो रहा?

आईएनडीआईए में शामिल दलों की जो स्थिति है उसमें इसके ज्यादातर नेताओं या पार्टियों का प्रतिनिधित्व होना था और हुआ। ममता बनर्जी उपस्थित होती तो संदेश ज्यादा बेहतर जाता। नेताओं के भाषणों को देखें तो उनमें नए तत्व या पहलू तलाशना मुश्किल है। तथ्यों , तर्कों और प्रखरता के आलोक में भाषण ऐसे नहीं थे जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर लोगों के अंदर गुस्सा और विद्रोह की भावना पैदा हो। राहुल गांधी अगर 400 पर का नाम लेते हुए मैच फिक्सिंग की बात कर रहे थे तो तेजस्वी यादव ने कहा कि पहले से ही ईवीएम सेट होगा तभी 400 का नारा दिया जा रहा है। यानी ये नेता अपने समर्थकों को भी यही बता रहे थे कि चुनाव आयोग से लेकर ईवीएम तक में इस प्रकार की व्यवस्था कर दी गई है कि परिणाम उनके ही पक्ष में आएगा। इसके द्वारा आईएनडीआईए के नेतागण क्या संदेश दे रहे थे? यह प्रकारांतर से चुनाव परिणाम के पूर्व ही अपनी पराजय को स्वीकार करने जैसा था। इसके अलावा ज्यादातर नेताओं का भाषण लोकतंत्र खत्म हो गया है, ईडी, सीबीआई जैसी संस्थाओं के माध्यम से विपक्ष के नेताओं पर कार्रवाई की जा रही है, उनको जेलों में डाला जा रहा है, मीडिया को दबाव में ला दिया गया है आदि पर ही टिका हुआ था।

विडंबना देखिए कि लोकतंत्र के नाम पर आयोजित रैली का सबसे बड़ा फोकस अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल की उपस्थिति हो गई। जैसे ही समाचार आया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवान सिंह मान सुनीता केजरीवाल को लेकर रामलीला मैदान पहुंच रहे हैं पूरी मीडिया का ध्यान वही केंद्रित हो गया। सुनीता केजरीवाल ने अपने भाषण में बताया कि अरविंद केजरीवाल जी ने आपके लिए छह गारंटियां दी हैं। ये गारंटियां वही हैं जो पहले से जनता को क्या मुफ्त दिया जा सकता है अरविंद केजरीवाल की ओर से अनेक बार बोला जा चुका है। महत्वपूर्ण बात यह थी कि सुनीता ने वहीं कह दिया कि हमने यह बोलने के पहले आईएनडीआईए के नेताओं से इस पर चर्चा नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि सभी इसका समर्थन करेंगे। यानी यहां भी अरविंद केजरीवाल ने आईएनडीआईए में स्वयं को सबसे अलग दृष्टिकोण और विचारों वाला नेता अपनी पत्नी के माध्यम से साबित करने की कोशिश की। वास्तव में विपक्ष की रैली से कोई एक रूप, एक स्वर का संदेश नहीं निकल पाया। नेता एकत्रित जरूर हुये, उनका गुस्सा भी प्रकट हुआ और किसी तरह नरेंद्र मोदी सरकार को सत्ता से हटाने की भावना भी लेकिन इसके अलावा कुछ नहीं। लोगों ने देखा है कि राष्ट्रीय स्तर पर आईएनडीआईए नमक गठबंधन नहीं है। केवल कुछ राज्यों में पार्टियों के बीच गठजोड़ है और कुछ में ये आपस में लड़ रहे हैं। जैसे पश्चिम बंगाल और केरल में इनके घटक एक दूसरे के सामने हैं। अन्य जगह भी कई प्रकार के अंतर्संघर्ष व द्वंद्व हैं। इस रैली का कोई एक ऐसा नेता नहीं था जिनका सभी एक स्वर में नाम ले और लगे कि उनके नेतृत्व में रैली से एकजुटता का स्वर निकला है। यहां तक कि रैली में सुनीता केजरीवाल शामिल होंगी इसकी जानकारी भी दूसरी पार्टी के ज्यादातर नेताओं को पहले से नहीं थी। ऐसा होता तो मंच से इसकी घोषणा की जाती। शायद आम आदमी पार्टी या फिर कई अन्य पार्टियों और नेताओं को यह उम्मीद रही होगी कि हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन तथा सुनीता को मंच पर लाकर लोगों की सहानुभूति बटोरी जा सकती है। किंतु इसका दूसरा संदेश यह भी निकल रहा था कि आखिर इन नेताओं के जेल में जाने के बाद पार्टी के दूसरे पुरुष या महिला नेता इनकी आवाज बनकर क्यों नहीं आ रहे? क्या पार्टी में भी परिवार की ही आवाज इन नेताओं का प्रतिनिधित्व करेगी? यह ऐसा प्रश्न है जिसका उत्तर आईएनडीआईए के लिए देना आसान नहीं रहेगा। आम आदमी पार्टी की ओर से भगवंत मान ने भी अपनी बातें रखी, पर वे वहां अरविंद केजरीवाल के प्रतिनिधि या पार्टी के भावी नेता के रूप में नहीं दिख रहे थे।

दूसरी ओर मेरठ का विश्लेषण करें तो वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग के सभी घटक दलों के बीच विचार, वक्तव्य और व्यवहारों में एकरूपता स्पष्ट दिखाई दे रही थी। किसी का कोई अलग स्वर नहीं था। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई को सही ठहराते हुए यही कहा कि यह जारी रहेगी और इसके नाम पर जो दल इकट्ठा हो रहे हैं उनके दबाव में सरकार नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि मैं कहता हूं कि भ्रष्टाचार खत्म करेंगे और वह कहते हैं कि हम सरकार को हटाएंगे। दूसरे, उन्होंने लोगों को बताया कि हम अगले 5 वर्षों के लिए सरकार का एजेंडा तैयार कर रहे हैं और परिणामों के बाद नई सरकार गठन होते ही 100 दिनों के कार्ययोजना पहले से तैयार कर ली गई है। इस तरह का आत्मविश्वास प्रकट करके जनता को बताया गया कि हम केवल देश के लिए ही सोचते हैं और जिनके स्वार्थ पर आघात पहुंचा है, जिनके भ्रष्टाचार सामने लाकर कार्रवाई हुईं हैं, वही सब हमारी या हमारी सरकार का विरोध कर रहे हैं। इसके साथ-साथ योगी आदित्यनाथ ने मोदी की गारंटी और हिंदुत्व संबंधी विचारों और कार्यों को सामने रखकर कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों के मनोभावों को अभिव्यक्ति दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ ने जब ये बातें रखीं तो तालियों और नारों से दिखाई दे रहा था कि समूह किस तरह नेताओं के साथ जुड़ा हुआ है। इसी तरह जयंत चौधरी ने जब यह कहा कि दूसरी सरकार होती तो चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न सम्मान नहीं मिलता इसके बाद जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से इसे समर्थनदिया। इस तरह दोनों रैलियों के तुलना करके आप स्वयं उद्देश्यों की दृष्टि से उनकी सफलता और प्रभावों का आकलन कर सकते हैं।

मंथन

ईमानदारी का ढोल पीटने वाले खुद भ्रष्टाचार में जेल गए

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

खुद को कट्टर ईमानदार बताने वाले आज खुद भ्रष्टाचार में जेल की हवा खा रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल अन्ना आंदोलन के दौरान भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष करते तिहाड़ जेल में बंद हुए थे और आज वही केजरीवाल खुद भ्रष्टाचार के आरोपों में तिहाड़ जेल में बंद है। इसे विधि का विधान ही कहा जायेगा कि अन्ना आंदोलन के दौरान सोनिया गांधी को भ्रष्टाचरण में जेल भेजने की मांग करने वाले अरविन्द केजरीवाल आज खुद तिहाड़ जेल में बंद है। मज़े की बात तो यह है कि सोनिया गांधी आज केजरीवाल के समर्थन और बचाव में खड़ी है। केजरीवाल अब सोनिया के स्थान पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे है। सियासी क्षेत्रों में यह बताने वालों की कोई कमी नहीं है कि अन्ना आंदोलन को हवा देने वालों में भाजपा और उनके पैरोकार बाबा रामदेव का बड़ा हाथ था। यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि वह आंदोलन खालिस कांग्रेस के खिलाफ था और परदे के पीछे भाजपा आग में घी डालने का काम कर रही थी। जो भी हो अन्ना आंदोलन के प्रमुख नायकों में केजरीवाल का बड़ा नाम था। भ्रष्टाचार के खिलाफ ईमानदार सेनानी की उनकी छवि बन गई थी। केजरीवाल तीसरी बार तिहाड़ जेल पहुंचे हैं। इससे पहले केजरीवाल को दो बार गिरफ्तार कर तिहाड़ जेल भेजा गया था। पहली बार 2012 में अन्ना हजारे द्वारा चलाए गए भ्रष्टाचार रोधी आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किया गया था और दूसरी बार 2014 में नितिन गडकरी द्वारा दायर मानहानि के मामले में गिरफ्तार हुए थे। अन्ततोगत्वा केजरीवाल ने अन्ना का साथ छोड़कर अपनी पार्टी आम आदमी पार्टी का गठन कर लिया। दिल्ली की जनता ने केजरीवाल को भरपूर समर्थन दिया और आज भारी बहुमत से आम आदमी पार्टी दिल्ली की सत्ता पर काबिज है। इस दौरान पंजाब की सत्ता भी केजरीवाल की पार्टी ने हासिल कर ली। यह अलग बात है कि सत्ता मिलने के बाद केजरीवाल के अन्ना आंदोलन के प्रमुख साथी उनका साथ छोड़ गए। खुद अन्ना भी उनसे विरक्त हो गए। केजरीवाल तीसरी बार दिल्ली की सत्ता पर काबिज है। आश्चर्य की बात तो यह है कांग्रेस के खिलाफ लम्बा आंदोलन चलाकर कांग्रेस से दिल्ली का ताज छीनने वाले केजरीवाल आज खुद भ्रष्टाचार के आरोपों से घिर गए है और कांग्रेस उनके साथ खड़ी है। केजरीवाल शराब घोटाले में अपने साथी मनीष सिसोदिया और संजय सिंह के साथ तिहाड़ जेल में बंद है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संस्थापक अरविन्द केजरीवाल की राजनीति बड़ी अजब गजब है। कांग्रेस के खिलाफ लम्बे जन आंदोलन के बाद आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ था। उस दौरान अन्ना आंदोलन अपने परवान पर था और केजरीवाल उनके प्रमुख सेनानी थे। केजरीवाल ने अन्ना आंदोलन में कांग्रेस को नंबर एक भ्रष्टाचारी पार्टी घोषित कर सोनिया गाँधी को जेल भेजने की सार्वजनिक मांग की थी। आज वही केजरीवाल कांग्रेस से गलबहियां बढ़ा रहे है। प्रधान मंत्री मोदी को उन्होंने अपना दुश्मन घोषित कर दिया है। लोगों का कहना है केजरीवाल ने मोदी पर अनाप शनाप आरोप लगाकर अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है, उसका खामियाजा उन्हें भुगतना होगा। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस से चुनावी समझौता किया है। मगर केजरीवाल की मुसीबत यहीं ख़त्म नहीं हुई है। भ्रष्टाचार के खिलाफ अलख जगाने वाले अरविन्द केजरीवाल आज खुद भ्रष्टाचार और घोटाले के आरोपों से घिरे है। इसमें शराब घोटाला प्रमुख है जिसमें आप पार्टी के कई नेता और मंत्री जेल में बंद है। जन आंदोलन की उपज आम आदमी पार्टी और उसके मुखिया, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल लगता है अपने ही बुने जाल में फंसते जा रहे है। लगातार विवादित भाषण उनके गले की फांस बन गए है।

नजरिया

बिहार की राजनीति का 'चिराग' संभावना का वाहक

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

खुद को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हनुमान बताने वाले युवा नेता चिराग पासवान इन दिनों बिहार की राजनीति में लाइमलाइट में हैं। राजनीतिक कौशल एवं प्रभावी रणनीति के तहत तेजी से अपनी राजनीतिक जमीन को मजबूती देते हुए बिहार की राजनीति का 'चिराग' संभावना का वाहक बन रहा है। चिराग पासवान सक्षम जनप्रतिनिधि के साथ-साथ मौलिक सोच एवं संवेदनाओं के प्रतीक हैं। उन्हें सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर प्रासंगिक एवं अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनाने एवं अपनी उपस्थिति का अहसास कराने का छोटी उम्र में बड़ा अनुभव है जो भारतीय राजनीति के लिये शुभता का सूचक है। लोकतंत्र का सच्चा जन-प्रतिनिधि वही है जो अपनी जाति, वर्ग और समाज को मजबूत करने के साथ देश को मजबूत करें। बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' की लड़ाई लड़ने वाले चिराग 14 करोड़ बिहारियों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये प्रतिबद्ध है।

आगामी लोकसभा चुनाव-2024 चिराग का सशक्त एवं उम्मीदभरा राजनीतिक भविष्य उजागर करते हुए बिहार के शीर्ष नेतृत्व की ओर अग्रसर करे तो कोई आश्चर्य नहीं। इस बात के संकेत इनदिनों की बिहार की राजनीति गतिविधियों से मिलने लगे हैं। गतदिनों भाजपा मुख्यालय से विनोद तावड़े ने बिहार के एनडीए गठबंधन में सीट शेयरिंग का अपना फॉर्मूला सार्वजनिक किया, जिसमें भाजपा को 17 सीटें, जदयू को 16 सीटें तो चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोजपा (रामविलास) के खाते में 5 सीटें गईं। वहीं उपेंद्र कुशवाह और जीतनराम मांझी की पार्टी को एक-एक सीट दी गई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास की एक बड़ी तस्वीर सामने आई, जिसमें नीतीश चिराग के कंधे पर हाथ रखे आशीर्वाद की मुद्रा में दिखाई दे रहे हैं। इसी तरह का एक चित्र पहले चर्चित हुआ जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी चिराग की पीठ थपथपाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

भारतीय राजनीति में युवाओं की भागीदारी को लेकर अक्सर बड़ी-बड़ी बातें हर किसी मंच से होती रहती हैं लेकिन कोई दल उन्हें प्रतिनिधित्व का मौका नहीं देता क्योंकि उनकी नजर में युवा वोट भर हैं। राजनीतिक दल उनका इस्तेमाल भीड़ और ट्रौलिंग के लिए करते रहते हैं। हालांकि इस मिथक को चिराग ने तोड़ा, 2014 के लोकसभा चुनाव में जमुई सीट पर 80 हजार से ज्यादा मतों से विजयी हुए थे तो एक ही संसदीय दौर में उन्होंने जनता का विश्वास इस कद्र जीता कि 2019 के चुनाव में चिराग ने 5 लाख से ज्यादा वोट हासिल करते हुए लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की। करिश्माई व्यक्तित्व वाले चिराग ने आगामी चुनाव में एनडीए को बिहार में 40 में से 40 सीटें मिलने का दावा किया है। इसमें कोई संदेह भी नहीं है क्योंकि 2019 में जब एनडीए में 3 पार्टियां थी, तब 40 में से 39 सीटें जीती थीं और इस बार 5 पार्टियां हैं और लोगों का उत्साह बताता है कि बिहार में 40 सीटों के साथ एनडीए देश में 400 सीटों के लक्ष्य को आसानी से पार कर लेगा।

चिराग पासवान एक भारतीय राजनीतिज्ञ तथा लोक जनशक्ति पार्टी के राजनेता है। वे भारतीय राजनीति में सर्वाधिक मतों से जीतने वाले दलितों के शीर्ष नेता एवं लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के संस्थापक रामविलास पासवान के पुत्र हैं। चिराग ने न केवल बिहार की राजनीति में बल्कि समूची देश की राजनीति में युवा संभावनाओं को उजागर करने की खनक पैदा की है। यह वह आहट है जो भारत की राजनीति को एक नयी दिशा एवं दृष्टि प्रदत्त करेंगी। क्योंकि चिराग वोट की राजनीति के साथ-साथ सामाजिक उत्थान की नीति के चाणक्य है। वे रोजगार के नाम से एक एनजीओ भी चलाते हुए बिहार के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार दिलाने की मुहिम को संभव किया है। 'चिराग का रोजगार' एक मौलिक सोच की निष्पत्ति है और चिराग भारत की राजनीति में एक मौलिक सोच के प्रतीक नेता के रूप में उभर रहे हैं और मौलिकता अपने आप में एक शक्ति होती है, जो व्यक्ति की अपनी रचना होती है एवं उसी का सम्मान होता है। संसार उसी को प्रणाम करता है जो भीड़ में से अपना सिर ऊंचा उठाने की हिम्मत करता है, जो अपने अस्तित्व का भान कराता है।

लोजपा अब पूरी तरह युवाओं के हाथ में है। चिराग युवा हैं, सक्षम है, प्रखर वक्ता है, कुशल संगठनकार एवं प्रबन्धक हैं और विगत में उन्होंने अनेक अवसरों पर अपनी इन क्षमताओं के साथ-साथ निर्णायकता साबित की है। कई मौकों पर यह बात सामने आई है कि बिहार के साथ-साथ केंद्रीय राजनीति के दांव-पेच और समीकरणों को भी वह अच्छी तरह जानने-समझने लगे हैं। युवापीढ़ी और उनके सपनों का मूर्च्छित होना और उनमें निराशा का वातावरण निर्मित होना- एक सबल एवं सशक्त राष्ट्र के लिये एक बड़ी चुनौती है। चिराग ने यह अनुभव किया, यह उनकी सकारात्मक राजनीति एवं मानवतावादी सोच का ही परिणाम है। चिराग इस मामले में अन्य क्षत्रप या नेता पुत्रों से थोड़ा अलग इसलिए भी हैं कि उनका नजरिया और अंदाज भविष्योन्मुखी और विकासवादी प्रतीत होता है। यही कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी चिराग में राजनीतिक संभावनाओं को गहराई से समझा है। इन सबके बावजूद यक्ष प्रश्न यह है कि क्या चिराग अपने पिता की दलित राजनीति की विरासत को कोई नया आयाम दे पाएंगे। या फिर वह इस विरासत से इतर मुख्यधारा की राजनीति में अपनी काबिलियत दिखाएंगे। चिराग राजनीति की बारीकियों को समझने में माहिर है। राजनीति का मौसम विज्ञान समझने में चिराग ने मोदी की आंधी को भलीभांति भांप लिया है और वह किसी संशय में नहीं है। अपने मतदाता समूह में उनकी मजबूत स्वीकार्यता भी है। हाल के समय में भारतीय राजनीति में नई पीढ़ी के कई नेता पुत्रों ने अभी तक कोई बहुत बड़ी उम्मीद नहीं जगाई है। चाहे राहुल गांधी हों या तेजस्वी यादव, फिलहाल इनके सियासी सितारे डूब-उतर रहे हैं। साथ ही अपने प्रभाव में निरंतरता बरकरार रखने में कहीं न कहीं चूक भी रहे हैं। हालांकि इन नामों की तुलना में चिराग के पास कोई बहुत बड़ी राजनीतिक विरासत तो नहीं है, लेकिन वे अपने होने का अहसास, कुछ अनूठा करने का एवं जनता के दिलों को जीतने का हूनर साबित किया है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिर्फ भाजपा ही भ्रष्टाचारियों को जेल भेज सकती है : आदित्यनाथ

इस बार परिवारवादियों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 140 करोड़ भारतीयों के परिवार के बीच चुनाव होने जा रहा हैं। उन्होंने बदायूं से समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव का नाम लिये बगैर उन पर कटाक्ष करते हुए कहा, जैसे ही बदायूं से (भाजपा उम्मीदवार) दुर्विजय सिंह शाक्य का टिकट घोषित किया गया, समाजवादी पार्टी के एक प्रत्याशी भाग गए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बदायूं/पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी लोकसभा चुनाव को 'भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने' के बीच का मुकाबला करार देते हुए मंगलवार को दावा किया कि सिर्फ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही भ्रष्टाचारियों और माफिया तत्वों को जेल में डाल सकती है। आदित्यनाथ ने बदायूं और पीलीभीत लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलनों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा, देश का अगले लोकसभा चुनाव में 'भ्रष्टाचार' बनाम 'जीरो टॉलरेंस' (भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करना) का मुकाबला है। भ्रष्टाचारियों और माफिया की जगह जेल में होनी चाहिये। यह तय करने के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति की सरकार चाहिए। यह कार्य भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में ही हो सकता है।

आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि इस बार परिवारवादियों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 140 करोड़ भारतीयों के परिवार के बीच चुनाव होने जा रहा हैं। उन्होंने बदायूं से समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव का नाम लिये बगैर उन पर कटाक्ष करते हुए कहा, जैसे ही बदायूं से (भाजपा उम्मीदवार) दुर्विजय सिंह शाक्य का टिकट घोषित किया गया, समाजवादी पार्टी के एक प्रत्याशी भाग गए। आदित्यनाथ ने बदायूं से सपा के घोषित प्रत्याशी शिवपाल सिंह यादव पर परोक्ष रूप से तंज कसा और कहा, (सपा के) दूसरे प्रत्याशी का नाम फाइनल हुआ। अब वह भी भागने की तैयारी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, वर्ष 2014 के पहले देश में अविश्वास और अराजकता थी। आम जनमानस में सरकार, सत्ता और राजनीतिज्ञों के प्रति विश्वास नहीं रह गया था। ऐसे में दुनिया ने भारतवासियों को सम्मान देना बंद कर दिया था। वह एक दौर था, जब अन्नदाता किसान आत्महत्या कर रहे थे। युवा पलायन को मजबूर थे, देश में उग्रवाद और नक्सलवाद हावी था। वर्ष 2014 के बाद (केन्द्र में भाजपा की सरकार बनने पर) देश की तस्वीर बदल गयी।

उन्होंने दावा किया कि आज दुनिया नए भारत का दर्शन कर रही है। इसमें सुरक्षा, समृद्धि, नौजवान को रोजगार और आमजन को आस्था की गारंटी मिल रही है। आज दुनिया में देश का सम्मान बढ़ा है। आदित्यनाथ ने यह भी दावा किया कि देश और प्रदेश का नौजवान अब पलायन नहीं करता है बल्कि खुद का स्टार्टअप स्थापित कर रहा है। बेटियां खुद को असुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं, बल्कि फाइटर पायलट बनकर भारत की सुरक्षा का सिंहनाद कर रही हैं।

देश की सीमाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं, कश्मीर में आतंकवाद, पूर्वोत्तर के राज्यों का उग्रवाद और नक्सलवाद पूरी तरह से खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराधी-माफिया परस्त हैं और बेटी-व्यापारी सुरक्षित हैं और प्रदेश दंगा मुक्त हो चुका है। प्रदेश में कर्फ्यू पर पूरी तरह से लगाम लगी है, लेकिन कांवड़ यात्रा धूमधाम से निकल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत अपनी विरासत और विकास दोनों में बेहतर समन्वय बनाकर कार्य कर रहा है। पीलीभीत में मेडिकल कॉलेज, रोड और पुल के सारे प्रस्ताव को स्वीकृत कर सरकार ने विकास की नई धारा के साथ इसे जोड़ने का काम किया है।

युवाओं को मतदान के प्रति आकर्षित करने के लिए निर्वाचन आयोग ने ली आयुष्मान खुराना की मदद

नयी दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए अधिक से अधिक युवाओं को आकर्षित करने के मकसद से निर्वाचन आयोग ने अभिनेता आयुष्मान खुराना की मदद ली है। इसके लिए निर्वाचन आयोग की ओर से जारी एक वीडियो में 39 वर्षीय अभिनेता को देखा जा सकता है, जो युवाओं को आगामी चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। 'अंधाधुन', 'ड्रीम गर्ल', 'बरेली की बर्फी' और 'दम लगा के हईशा' जैसी समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले खुराना ने कहा कि यह जरूरी है कि देश का भविष्य तय करने में युवाओं की भागीदारी हो। उन्होंने एक बयान में कहा, सभी को मतदान करना चाहिए और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में भाग लेकर जागरूक नागरिक बनना चाहिए। संसद में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले, हमारी जरूरतों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं को चुनने की शक्ति हमारे पास है।

उन्होंने कहा, हर वोट मायने रखता है और हर वोट महत्वपूर्ण है। हमारे जैसे लोकतांत्रिक देश में मतदान सशक्तीकरण का प्रतीक है। निर्वाचन आयोग में मतदाता शिक्षा के निदेशक संतोष अजमेरा ने इस अभियान का समर्थन करने के लिए अभिनेता की प्रशंसा की। अभियान का उद्देश्य चुनावी भागीदारी में शहरी और युवा मतदाताओं की उदासीनता की चिंता पर गौर फरमाना है। उन्होंने कहा, वीडियो में एक सुंदर संदेश है कि हर किसी को वोट क्यों देना चाहिए। उन्होंने कहा, आयुष्मान खुराना का अभिनय बेहद विश्वसनीय और प्रभावशाली है। उनका संदेश उनके फॉलोअर्स, ज्यादातर युवा पीढ़ी के साथ अच्छी तरह से प्रतिध्वनित होता है। ईसीआई ने आयुष्मान की क्षमता और पहुंच का उपयोग युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए किया है।

मोदी ने जातिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति खत्म की : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की उस राजनीतिक संस्कृति में बदलाव किया है जिसमें कभी जातिवाद, वंशवाद और तुष्टिकरण हावी हुआ करता था। उन्होंने कहा कि मोदी ने इस राजनीतिक संस्कृति की जगह विकास की प्रवृत्ति स्थापित की। लोकसभा चुनाव से पहले, जबलपुर में प्रबुद्ध जनों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए नड्डा ने आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस ('इंडिया') भ्रष्ट और वंशवादी नेताओं का समूह है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने देश की राजनीतिक संस्कृति में बदलाव किया है। मैं चाहता हूं कि जनता वोट बैंक की सियासत की वह पुरानी राजनीतिक शैली याद करे जो केवल जाति पर केंद्रित थी।

नड्डा ने आरोप लगाया कि कभी जाति आधारित राजनीति देश की सियासत का मुख्य एजेंडा हुआ करती थी। उन्होंने कहा, उन दिनों राजनीति करने का दूसरा तरीका वंशवादी शासन था। केवल एक परिवार के सदस्य आगे रहते थे, जबकि बाकी लोगों को सिर्फ ताली बजानी होती थी।

नड्डा ने यह भी कहा कि पहले देश में तुष्टिकरण की राजनीति हावी थी। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ...लेकिन आज हम कह सकते हैं कि मोदी के आने के बाद वंशवाद की राजनीति, जातिवाद की राजनीति और तुष्टिकरण की राजनीति खत्म हो गई है और देश में विकास की नयी राजनीति शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि पहले जनता को विश्वास दिला दिया गया था कि देश में कुछ भी नहीं बदलेगा और सब कुछ वैसे ही चलता रहेगा। नड्डा ने दावा किया, हमारे मन में यह बात बैठ गई थी कि हम देश में कोई बदलाव नहीं देख पाएंगे और हमें समझौता करना होगा। आम लोगों के मन में यह बात बैठ गई थी कि बदलाव असंभव है और उनके पास हालात से समझौते के अलावा कोई विकल्प नहीं है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 10 साल पहले प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के कमान संभालने के बाद जनता की यह मानसिकता बदल गई है। नड्डा ने कहा, आम आदमी की मानसिकता बदल गई है और वह विश्वास करने लगा है कि चीजें बदल सकती हैं। चीजें बदल गई हैं और बदलती रहेंगी। यह देश में एक राजनीतिक बदलाव है। विपक्षी गठबंधन इंडिया पर हमला बोलते हुए भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि विपक्ष के इस गठजोड़ में वे नेता शामिल हैं जो अपने भ्रष्टाचार पर परदा डालना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि एक तरफ मोदी ने भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया है, तो दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन है। उन्होंने कहा कि जनता को तय करना चाहिए कि वे किस तरह की राजनीति पसंद करते हैं। नड्डा ने कहा, देश में विकास हो रहा है।

विपक्षी गठजोड़ पर कटाक्ष करते हुए भाजपा प्रमुख ने दावा किया कि इंडिया गठबंधन के आधे सदस्य या तो जमानत पर बाहर हैं या जेल में हैं। उन्होंने कहा,कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी जमानत पर हैं, जबकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके मंत्री जेल में हैं। नड्डा ने अपने भाषण में कांग्रेस के साथ ही फारुक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेन्स, महबूबा मुफ्ती नीत पीडीपी, शिरोमणि अकाली दल, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और अन्य पार्टियों का उल्लेख किया और इंडिया गठबंधन के घटक दलों को वंशवादी करार दिया।

'पुष्पा-2' से सामने आया नया पोस्टर

मुंबई/एजेन्सी

साल 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' से जुड़ा बड़ा अपडेट आया है। मेकर्स ने 'पुष्पा-2' का नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म के टीजर की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है। मेकर्स द्वारा जारी किए गए पोस्टर में चारों तरफ सिंदूर बिखरा नजर आ रहा है। इस सिंदूर के आस-पास खूब सारे दीए जल रहे हैं और पैर में घुंघरू बांधकर कोई डांस करता दिख रहा। आइए जानते हैं कि 'पुष्पा-2' के नए पोस्टर के बारे में लोग क्या बोल रहे हैं। फैंस का मानना है कि ये पैर किसी और का नहीं बल्कि अल्लू अर्जुन (पुष्पा) का है। दरअसल, इससे पहले मेकर्स ने एक और पोस्टर जारी किया था। उस पोस्टर में अल्लू अर्जुन के हाथ नजर आ रहे थे। अल्लू अर्जुन ने अपने हाथ में ढेर सारी अंगूठियां पहन रखी थीं और नाखून पर नेलपेंट लगाई थी। एक फैन ने लिखा, 'लगता है पुष्पा अर्धनारीश्वर का रूप लेने वाला है।' दूसरे ने लिखा, 'पोस्टर इतना गजब का है तो फिल्म कितनी मजेदार होगी।' तीसरे फैन ने लिखा, 'बॉलीवुड खत्म।'

इन सबके बीच ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वार्नर का कमेंट वायरल हो रहा है। डेविड ने अल्लू अर्जुन द्वारा साझा किए गए पोस्टर पर कमेंट करते हुए लिखा, 'वाह बहुत बढ़िया।' फिल्म का टीजर 8 अप्रैल के दिन रिलीज होगा। बता दें, मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक साझा करने के लिए 8 अप्रैल का ही दिन इसलिए चुना क्योंकि इस दिन सुपरस्टार अल्लू अर्जुन का जन्मदिन है। 'पुष्पा 2' 15 अगस्त के दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा-2' के साथ सिनेमाघरों में अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' भी दस्तक देगी। यानी एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर साउथ बनाम बॉलीवुड की लड़ाई देखने को मिलेगी।

डिज्नी प्लस पर प्रदर्शित होगी प्रियंका चोपड़ा की टाइगर

मुंबई/एजेन्सी

ग्लोबल एक्ट्रेस बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने अपने अगले प्रोजेक्ट 'टाइगर' की उसके पोस्टर के साथ घोषणा की। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'टाइगर' की रिलीज डेट की घोषणा कर शेयर किया कि इस अविश्वसनीय कहानी को आवाज देना और फिल्म के माध्यम से जंगलों की खोज करना कितना मजेदार था। प्रियंका ने एक लंबे नोट से भावनाएं व्यक्त कीं। प्रियंका ने लिखा, 'टाइगर... एक कहानी जो जंगली को पकड़ती है और उसके भीतर होने वाली हर चीज को सामने

लाती है - प्यार, संघर्ष, भूख, अस्तित्व और बहुत कुछ की कहानियां। भारत के हलचल भरे जंगलों में, जहां बड़े और छोटे, डरपोक और राजसी जीव घूमते हैं, वहां अंबा है - एक कालातीत विरासत वाली बाघ। वह अपने शावकों की इतने प्यार से देखभाल करती है कि माँ और बच्चे के बीच का खूबसूरत रिश्ता बहुत शानदार ढंग से चमकता है। इस खूबसूरत परिवार पर 8 साल तक इस फिल्म की शूटिंग की गई। मुझे इस अविश्वसनीय कहानी में अपनी आवाज देने और इस फिल्म के माध्यम से जंगलों की खोज करने में बहुत मजा आया। मैं आप सभी के साथ जंगल का आनंद लेने का इंतजार नहीं कर सकती! 'टाइगर' आपके लिए इस पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल को प्रदर्शित की जाएगी।

अहान शेट्टी ने फिल्म 'सनकी' के लिए बाली में ली ट्रेनिंग

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर अहान शेट्टी ने अपकमिंग प्रोजेक्ट 'सनकी' के लिए बाली में ट्रेनिंग ली। एक्टर ने कहा कि उन्हें खूबसूरत जगहों पर जाने से मोटिवेशन मिलता है। एक सूत्र ने कहा, 'बाली में अहान को फिटनेस लक्ष्य पूरा करने के लिए मदद की गई।' उन्होंने आगे बताया, 'उनके फिटनेस लक्ष्य के अनुरूप उनका कार्यक्रम बनाया गया। जिससे उन्हें अपने प्रोजेक्ट के लिए मदद मिली। अहान ने दिन में दो बार ट्रेनिंग की और अपना सख्त डाइट प्लान भी बनाए रखा। प्रशिक्षण के बाद स्वास्थ्य लाभ के लिए उन्होंने आइस बाथ लिया।'

तैयारी के बारे में बात करते हुए

अहान ने कहा, बाली में कुछ बेहतरीन प्रशिक्षण सुविधाएं हैं, इसलिए यह 'सनकी' के लिए एक सपने के मैदान जैसा था। एक्टर ने कहा, बाली के खूबसूरत परिवेश ने मुझे मोटिवेशन दिया। इसने मुझे वास्तव में नई सीमाओं तक पहुंचाया। मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि यह मेरे किरदार में कैसे नजर आएगा।' साजिद नाडियाडवाला की 'सनकी' में पूजा हेगड़े भी हैं। नवोदित निर्देशक अदनान ए. शेख और यासिर जाह निर्देशित यह फिल्म 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

योग से अपने तनाव को कम करती हैं शुभांगी

मुंबई/एजेन्सी

'भाभीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी के किरदार के लिए मशहूर एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे ने 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' से पहले स्वस्थ रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। एक्ट्रेस ने कहा, ''तनाव मुक्त जीवनशैली बनाए रखना मेरे मुख्य फिटनेस सिद्धांतों में से एक है। आज की तेज रफ़्तार दुनिया में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में तनाव का प्रमुख योगदान है। मुझे अच्छी तरह याद है कि कैसे अत्यधिक तनाव ने मेरे काम में बाधा डाली, जिसका मेरे दिमाग और शरीर पर भारी असर पड़ा।'' शुभांगी ने कहा, ''मैंने ध्यान और योग के माध्यम से अपने इस बोझ को कम करने का तरीका खोजा है। इसके अलावा मेरे वर्कआउट रूटीन ने भी इसमें मेरा बड़ा सहयोग किया। हमें अपने स्वास्थ्य को एक अनमोल उपहार समझकर इस पर ध्यान देना चहिए।'' एक्ट्रेस ने युवा पीढ़ी से अपने दैनिक जीवन में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए समय निकालने को कहा है। 'भाभीजी घर पर हैं' एंड टीवी पर प्रसारित होता है।

दर्शकों ने सराहा मैदान के ट्रेलर को, शुरू हुई एडवांस बुकिंग

मुंबई/एजेन्सी

अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म मैदान का आज फाइनल ट्रेलर जारी किया गया। जिसे देखने के बाद फिल्म के प्रति दर्शकों का उत्साह सोशल मीडिया पर नजर आने लगा। दर्शकों को ट्रेलर ने खासा प्रभावित किया है। वहीं दूसरी ओर सिनेमाघरों में इस फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। ट्रेलर की शुरुआत होती है प्रियमणि से जो कहती हैं वैसे पूरी इंडिया में किसी को नहीं लगता कि हम जीते हैं पर आपको लगता है। कब? इसके बाद दिखाया जाता है कि अजय भारत के लिए एक फुटबॉल की टीम तैयार कर रहे हैं। वह चुन-चुनकर खिलाड़ी लेकर आते हैं जहां मैनेजमेंट से भी उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। देश का नाम रोशन करने के बीच अजय के खिलाफ जब पूरी दुनिया हो जाती है तो कैसे वह लड़ते हैं यही मैदान की कहानी है।

ट्रेलर को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। किसी ने लिखा कि फिल्म का ट्रेलर ऐसे वक्त पर आ रहा है जब लोगों को लगता है कि फुटबॉल खेल का कोई मकसद नहीं रहा है। किसी ने कमेंट किया कि जब अजय बोलते हैं इसका हिसाब चाहिए मुझे तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। किसी ने लिखा कि अजय का इन्टेंस लुक काफी शानदार है। किसी ने कमेंट किया कि अजय देवगन की एक्टिंग और ए आर रहमान का म्यूजित कमाल ही कर देगा।

फिल्म और अपने किरदार सैयद अब्दुल रहीम को लेकर अजय ने स्टेटमेंट दिया, फिल्म की शानदार कहानी के अलावा मुझे नहीं पता था कि देश में ऐसा भी कुछ हुआ था और फुटबॉल एक ऐसे खास मुकाम तक पहुंचा सिर्फ इसलिए, मैं यह नहीं कह सकता एक आदमी बल्कि इन प्लेयर्स की वजह से जिन्होंने 50 और 60 के दशक में फटबॉल का गेम ही बदल दिया। मैं तो हैरान था जानकर कि ऐसा भी कोई शख्स था इसलिए मैंने सोचा यह कहानी सबको बतानी चाहिए। बता दें कि मैदान में अजय के अलावा बंगाली एक्टर रुद्राणी घोष, प्रियमणि, गजराज राव भी हैं। फिल्म को बोनी कपूर, अरुणव जॉ सेनगुप्ता और आकाश चावला ने प्रोड्यूस किया है जी स्टूडियोज के साथ। म्यूजिक ए आर रहमान ने दिया है और लिरिक्स मनोज मुंतशिर शुक्ला भी। फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होगी। इस फिल्म का अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के साथ टक्कर है।

सलमान खान ने नहीं छोड़ी 'द बुल', अगले वर्ष फरवरी में शुरू होगी शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

सलमान खान को लेकर कहा जा रहा है कि उन्होंने करण जौहर के साथ बनने वाली फिल्म द बुल से अपने कदम वापस खींच लिए हैं। सिने गलियारों में बहती हवाओं का कहना है कि इसका कारण करण जौहर और निर्देशक विष्णुवर्धन का आपस में सहमत न होना है। यह दोनों अभी तक इस फिल्म की शूटिंग तारीखों को तय नहीं कर पाए हैं। ऐसे में सलमान खान ने बार-बार बदलती तारीखों के चलते इस फिल्म से हाथ खींच लिए हैं और अब उन्होंने जो तारीखें करण जौहर को दी थी, वे उन्होंने साजिद नडियाडवाला की फिल्म को दे दी हैं। इस फिल्म की घोषणा कुछ दिनों पूर्व ही सलमान खान ने की थी और कहा था कि ईद पर उनकी यह फिल्म प्रदर्शित होगी। गौरतलब है कि 1998 में रिलीज हुई करण जौहर की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म कुछ कुछ होता है में सलमान खान का एक्सटेंडेड कैमियो था। अब इस फिल्म के 25 साल बाद करण जौहर ने अपने प्रोडक्शन की फिल्म द बुल में सलमान खान की कास्टिंग की है। पिछले कई दिनों से फिल्मी गलियारों में चर्चा थी की डेट्स फाइनल न होने पर सलमान खान ने फिल्म छोड़ दी है, हालांकि अब प्रोडक्शन के सूत्रों की मानें तो ये खबर सरासर अफवाह है। बीते साल टाइगर 3 के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने कन्फर्म किया था कि वो करण जौहर की फिल्म द बुल का हिस्सा हैं। दिसंबर 2023 में वो फिल्म के मुहूर्त का भी हिस्सा थे। हालांकि बीते कुछ दिनों से खबर है कि बार-बार शूटिंग डेट्स बदलने से परेशान होकर सलमान ने फिल्म करने से इनकार कर दिया है। बॉक्स ऑफिस इंडिया ने फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा है कि सलमान अब भी करण की फिल्म द बुल का हिस्सा हैं। उनके द्वारा फिल्म छोड़ने की खबर अफवाह है। फिल्म द बुल की तैयारी शुरू हो चुकी है और सलमान अगले साल फरवरी से फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। फिल्म द बुल में सलमान खान ब्रिगेडियर फारुख बुलसारा के रोल में नजर आएंगे, जो साल 1988 में मालदीव में हुए ऑपरेशन केकटस के लीड थे। फारुख बुसलारा पैरमिलिट्री ऑफिसर थे, जिन पर फिल्म बनेगी।

फिल्म की शूटिंग फरवरी 2025 से शुरू होगी। इस फिल्म को विष्णु वर्धन निर्देशित करने वाले हैं। ज्ञातव्य है कि इन दिनों सलमान खान साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन की अनटाइटल फिल्म पर काम कर रहे हैं, जो आगामी वर्ष ईद पर प्रदर्शित होगी। इस फिल्म को ए.आर. मुरुगादास निर्देशित कर रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | बुधवार | 03-04-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के दादावाड़ी में अपने प्रवचन में खरतरगच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभसूरीजी ने जीवन में चल रही भाग दौड़ के बीच आत्म तत्व की प्राप्ति के लिए किये जा रहे पुरूषार्थ को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि मंदिरों और स्थानको से निरन्तर जुड़ाव जहाँ हमें विकृत होने से बचाता है वही हमें जीवन के परिणामों को सजगता से पाने की प्रेरणा देता है।

कवाड़ बने कर्नाटक स्वाध्याय संघ के अध्यक्ष, पटवा मंत्री व कोठारी बने कोषाध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ की साधारण सभा में वर्ष 2024-27 के लिए नई कार्यकारिणी समिति का गठन हुआ जिसमें सर्वसम्मत्ति से भंवरलाल कवाड़ को अध्यक्ष, मीठालाल पटवा को मंत्री तथा पन्नालाल कोठारी को कोषाध्यक्ष चुना गया। निवर्तमान अध्यक्ष मोहनराज अखावत ने अपने तीन वर्षीय कार्यकाल के सभी पदाधिकारियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। निवर्तमान मंत्री सुरेशचंद गुलेछा ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। निवर्तमान कोषाध्यक्ष भंवरलालजी कवाड़ ने गत वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। संयोजक शांतिलाल बोहरा ने ट्रस्टी सदस्यों एवं संबंधित योजना की जानकारी प्रस्तुत की। वरिष्ठ स्वाध्यायी शांतिलाल डुंगरवाल ने स्वाध्यायी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बेंगलोर के सभी क्षेत्रों में विस्तृत करने पर विशेष बल दिया। बैठक में छगनमल लुणावत, शांतिलाल सांड, मीठालाल मकाणा, दुलीचन्द टोडरवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जीतो अहिंसा रन में दिखा बेंगलूरु जीतो महिलाओं का विशेष उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जीतो चैप्टर बेंगलूरु के अंतर्गत जीतो अपेक्स द्वारा निर्देशित आईआईएफ़एल अहिंसा रन 2.0 का आयोजन अहिंसा, शांति, प्रेम एवं एकता के संदेश को प्रसारित करने पैलेस ग्राउंड स्थित व्हाइट पेटल्स में किया गया। जीतो लेडीज विंग साउथ की अध्यक्ष सुनीता गांधी ने सभी का स्वागत किया। जीतो लेडीज नॉर्थ की अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने अहिंसा रन उद्देश्य के बारे में बताया। साउथ चैप्टर के अध्यक्ष दिनेश बोहरा और नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने प्रतिभागियों व आयोजकों का उत्साहवर्धन किया। केकेजी ज़ोन चेयरमैन अशोक सालेचा, जेटीएफ़ अध्यक्ष रतन हरण ने महिला विगं को शुभकामनाएं दी। इस आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। अपेक्स निदेशक विनोद जैन, हितेशपालरेचा, नरेंद्र सामर, केकेजी महामंत्री दिलीप जैन, साउथ चैप्टर के महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल, नार्थ महामंत्री सुधीर गादिया ने सभी को शुभकामनाएँ दी। जीतो लेडीज विंग कन्वेनर कमल पुनमिया, संजय भंडारी, लेडीज उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना, रेश्मा पुनमिया, बबिता रायसोनी, सहमंत्री नीलम ललवानी, पिंकी मेहता, संयोजिका सोमना सिसोदिया, रेखा जैन ने व्यवस्था सम्भाली। साउथ विंग महामंत्री मोनिका पिरगल ने संचालन किया। नॉर्थ विंग महामंत्री सुमन वेदमुथा ने धन्यवाद दिया।

परमात्मा की प्राप्ति ही मनुष्य का जीवन लक्ष्य : आचार्य जिनमणिप्रभसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर के दादावाड़ी में अपने प्रवचन में खरतरगच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभसूरीजी ने जीवन में चल रही भाग दौड़ के बीच आत्म तत्व की प्राप्ति के लिए किये जा रहे पुरूषार्थ को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि मंदिरों और स्थानको से निरन्तर जुड़ाव जहाँ हमें विकृत होने से बचाता है वही हमें जीवन के परिणामों को सजगता से पाने की प्रेरणा देता है।

ये हमें जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने का मार्ग दिखाते है जिन पर चलकर हम परम शांति का अहसास करते है। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि भौतिक सुख सुविधाओं का संकलन कभी स्थायी शांति का आधार नहीं बन सकते, जन्म हुआ है तो मृत्यु निश्चित है। हमने यदि जीवन का लक्ष्य निर्धारित नहीं किया तो सब व्यर्थ। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि जीवन महोत्सव बने न बने, किन्तु मृत्यु महोत्सव बनना चाहिए।

हमारा चिन्तन, मनन उन साधुओं की तरह निरंतर चलते रहना चाहिए जो सोते हुए भी जागृत भाव में रहते है अन्यथा हमारी स्थिति बस के उस कंडेक्टर की तरह हो जाएगी जिसने सफर तो बहुत किया किन्तु पहुँचा कहीं नही।

आचार्यश्री ने कहा कि प्रकाष की प्राप्ति अंधकार से मुक्ति नहीं है, ये एक भी नहीं है क्योंकि इसका प्राप्ति काल सीमित होता है जो वापस अंधकार में ले सकता है किन्तु अंधकार से मुक्ति का अर्थ सदैव के लिए प्रकाष की प्राप्ति है। ठीक इसी प्रकार क्षणिक या अल्पकालिक सुख, दुःख से मुक्ति नहीं है।

दुःख से मुक्ति का भाव आत्मकल्याण के लिए प्रबल पुरूषार्थ कर परमात्मा को पाकर अनन्त सुख का अहसास करता है। आचार्यश्री ने कहा कि जिस प्रकार घड़े का आत्म तत्व मिट्टी है उसी प्रकार मनुष्य का आत्म तत्व परमात्मा है और उसे प्राप्त करना मनुष्य जीवन का लक्ष्य है। दादावाडी संचालन ट्रस्ट के मनोज बाफना ने बताया कि आचार्यश्री ने प्रवचन के पश्चात् मिश्रीमल पीराजी बाफना परिवार द्वारा निर्मित होने वाले कुशल भवन के भूखण्ड का भूमि शुद्धिकरण का विधान किया गया। इस भूखण्ड पर तीन मंजिला भवन बनेगा।

श्रीलंका के मंत्रिमंडल ने कच्चातिवु के मुद्दे पर चर्चा नहीं की : प्रवक्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो। कच्चातिवु द्वीप को 1974 में श्रीलंका को सौंपने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराए जाने के बाद मंगलवार को यहां एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि श्रीलंका के मंत्रिमंडल ने इस द्वीप के मुद्दे पर अब तक चर्चा नहीं की है क्योंकि इसे कभी उठाया नहीं गया। कैबिनेट प्रवक्ता और सूचना मंत्री बांदुला गुणावर्द्धने ने आज यहां संवाददाताओं से कहा, कैबिनेट ने इस पर चर्चा नहीं की क्योंकि यह कभी उठाया ही नहीं गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को एक खबर के हवाले से कहा था कि नई बात सामने आई है कि कांग्रेस पार्टी ने कच्चातिवु द्वीप संवेदनहीन ढंग से श्रीलंका को दे दिया था।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी इस मुद्दे पर कांग्रेस और तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) पर हमला बोला था। उन्होंने सोमवार को दावा किया कि कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों ने कच्चातिवु द्वीप को लेकर उदासीनता दिखायी और भारतीय मछुआरों के अधिकार छीन लिए। इस बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा है कि अच्छे संबंध कायम रखने और लाखों तमिलों की जान बचाने के लिए कच्चातिवु श्रीलंका को दिया गया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री चिदंबरम ने आश्चर्य प्रकट किया कि प्रधानमंत्री ऐसे मुद्दे को अब क्यों उठा रहे हैं जिसे 1974 में सुलझा लिया गया था।

संसदीय प्रक्रिया प्रशिक्षण सत्र में शामिल हुए 45 सदस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जूनियर चैंबर इंटरनेशनल (जेसीआई) जोन 15 ने हाल ही में चेयरमैनशिप और संसदीय प्रक्रिया विषय पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया, जिसमें 45 सदस्यों ने भाग लिया। संस्था के राष्ट्रीय प्रशिक्षक नरेश गादिया ने सत्र में प्रशिक्षण दिया। क्षेत्रीय अध्यक्ष वकील गिरीश और प्रशिक्षक दीपक राज ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इंटरैक्टिव चर्चाओं और व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से प्रतिभागियों ने बैठकों की अध्यक्षता और संसदीय प्रक्रियाओं की बारिकियों को समझा।

महावीर स्वामी वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट में प्रारंभ हुआ वर्षीतप

सैंकड़ों तपस्वियों ने लिया तप का संकल्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय महावीर स्वामी वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट चामराजपेट के तत्वावधान में महावीर स्वामी जैन श्वेताम्बर मंदिर चामराजपेट के आराधना भवन में मुनिश्री राजपद्मसागरजी व श्रमणपद्मसागरजी की निश्रा में 200 तपस्वियों ने सामूहिक वर्षीतप महातप प्रत्याख्यानोत्सव की विधि की। इस मौके पर मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आज चैत्र वद 8 अष्टमी प्रथम तीर्थंकर श्री आदिश्वर भगवान का जन्म एवं दीक्षा कल्याणक के दिन ही वर्षीतप के पचक्खाण प्रारंभ होते हैं। इस दिन से तप की शुरुआत करने का महत्त्व है। मुनिश्री श्रमणपद्मसागर जी ने कहा कि वर्षीतप की क्रिया हमेशा संतों के सान्निध्य में ही करनी व करवानी चाहिए। 29 वां वर्षीतप कर रहे सुरेंद्र गुरु ने भी अपने भाव व्यक्त किये। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष गौतम मुथा ने गुरुदेव को वंदन कर सभी तपस्वियों का आभार प्रकट किया गया। कैलाश संखलेचा ने बताया कि मुनिद्वय कुंथुनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर ट्रस्ट श्रीनगर में चैत्र मास की शाश्वत ओली में अपनी निश्रा प्रदान करेंगे।

इस अवसर पर श्री महावीर स्वामी जैन मंदिर के अध्यक्ष मदन पोरवाल वर्षीतप चैरीटेबल ट्रस्ट के गौतम मुथा, गौतम पोरवाल, संतोष चौहान, महावीर श्रीश्रीमाल, किशोर पोरवाल, नरेश बांठिया, प्रवेश बालर, कैलाश संखलेचा आदि उपस्थित थे।

केपी बच्चे गौड़ा कांग्रेस में हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कबल्लापुर। यहां एक समारोह में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की उपस्थित में पूर्व विधायक केपी बच्चेगौड़ा, शिद्दलघट्टा के नेता पुट्टा अंजनप्पा आदि ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस का दामन थामा। इस मौके पर डीके शिवकुमार ने कहा कि 'हाथ' सिर्फ एक पहचान नहीं है, ये हल थामे किसान का हाथ है, मजदूर का हाथ है, नारी शक्ति का हाथ है, युवा के भविष्य का हाथ है। हाथ ही इस देश और जनता की ताकत है। कांग्रेस कई नदियों का संगम है। कांग्रेस पार्टी एक पवित्र मंदिर है। हम सभी इस देश की रक्षा के लिए इस मंदिर में शामिल हुए हैं। आप ईश्वर, वेंकटेश्वर आदि किसी भी मंदिर में जाएं, भगवान आपको इसी हाथ से आशीर्वाद देते हैं। कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के बाद हम नये-पुराने में भेदभाव नहीं करते। हम, आप सभी को 150 साल पुरानी पार्टी में आपसी मतभेद भुलाकर मिलकर काम करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। पूरे देश में

परिवर्तन की बयार चल रही है। बीजेपी समझती है कि वे जीतेंगे नहीं। इसके लिए 12 उम्मीदवार बदले गए हैं। ऑपरेशन कमल के जरिए उन्होंने कुमारस्वामी को सत्ता से बेदखल कर दिया गया और अब वह उनके साथ आ गए हैं। जो लोग कहते हैं कि कुमारस्वामी सही नहीं हैं वे कुमारस्वामी का समर्थन कर रहे हैं। उनकी नीति और विचारधारा पर चर्चा न करें। लोग उन पर हंसते हुए कह रहे हैं कि वह कैसी गंदी राजनीति कर रहे हैं।

चिक्कबल्लापुर में जाति और राजनीति की गूंज सुनाई दे रही है। जब कुमारस्वामी को सत्ता से हटाया गया तो यह जाति और नीति कहां चली गयी? कांग्रेस पार्टी ने आठ लोगों को टिकट दिया है।

मैंने फैसला किया है कि अब चुनाव नहीं लड़ूंगा : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अब चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है, क्योंकि बढ़ती उम्र के साथ चार साल बाद काम करने के लिए स्वास्थ्य उनका पूरी तरह साथ नहीं देगा। पिछले साल के विधानसभा चुनाव के दौरान ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्दरामैया ने ऐलान कर दिया था कि यह उनका आखिरी चुनाव होगा, लेकिन वह राजनीति में बने रहेंगे।

सिद्दरामैया ने कहा, वरुणा निर्वाचन क्षेत्र के लोग चाहते हैं कि मैं एक बार फिर वहां से विधानसभा चुनाव लड़ूं, लेकिन मैंने अब चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। अब मैं 77 साल का हूं, अभी भी मेरे पास चार साल का समय है, तब तक मैं 81-82 साल का हो जाऊंगा। (तब तक) मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा और मैं उत्साहपूर्वक काम नहीं कर पाऊंगा।'' मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों कहा, वर्ष 2028 तक मैं 82 साल का हो जाऊंगा और राजनीति में 50 साल पूरे कर लूंगा। 1978 में, मैं तालुक बोर्ड का सदस्य बना था।

कर्नाटक में सूखा राहत के लिए केंद्रीय धन जारी नहीं करने पर सिद्दरामैया व अमित शाह में तकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/मैसूरु। केंद्र द्वारा कर्नाटक को कथित तौर पर सूखा राहत राशि जारी नहीं करने को लेकर मंगलवार को राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच तीखी नोकझोंक हुई। सिद्दरामैया ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर राज्य के लोगों को धोखा देने और उनके साथ अन्याय करने का आरोप लगाया, वहीं शाह ने राहत के लिए प्रस्ताव भेजने में राज्य की कांग्रेस सरकार की ओर से देरी का आरोप लगाया।

शाह ने कहा, यहां जो (कांग्रेस) सरकार सत्ता में है वह कर्नाटक और उसके विकास के हित में काम नहीं कर रही है। यहां के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री... एक अपनी कुर्सी बचाने में लगे हैं तो दूसरे कुर्सी छीनने में लगे हैं। किसी के मन में कर्नाटक की जनता नहीं है। बेंगलूरु में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, कर्नाटक में सूखा है, उन्होंने (राज्य सरकार ने) केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजने में तीन महीने की देरी की और आज केंद्र से सूखा राहत के लिए आवेदन निर्वाचन आयोग के पास है। वे (कांग्रेस सरकार) इस पर राजनीति कर रहे हैं।

कर्नाटक ने 240 में से 223 तालुकों को सूखाग्रस्त घोषित किया है और उनमें से 196 को गंभीर रूप से सूखा प्रभावित के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इससे पहले दिन में, सिद्दरामैया ने मैसूरु में दावा किया कि शाह को कर्नाटक के मतदाताओं से वोट मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने विशेष रूप से सूखा राहत निधि जारी करने में देरी के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर राज्य के लोगों को धोखा देने और अन्याय करने का आरोप लगाया। सिद्दरामैया ने संवाददाताओं से बात करते हुए पूछा, अमित शाह आएं या (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी आएं या (भाजपा अध्यक्ष) जेपी नड्डा आएं। कोई भी आए। अमित शाह उच्चाधिकार प्राप्त समिति के प्रमुख हैं, क्या उन्होंने सूखा राहत दी है? उन्हें कर्नाटक के लोगों से वोट मांगने का क्या नैतिक अधिकार है?

मुख्यमंत्री ने कहा कि पांच महीने हो गए

हैं जब उनकी सरकार ने पहली बार सूखा राहत के लिए केंद्र से संपर्क किया था लेकिन राज्य को एक रुपया भी नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर से अब तक तीन ज्ञापन दिए जा चुके हैं; केंद्रीय टीम भी निरीक्षण के लिए आई थी और उन्होंने अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपी थी। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से 19 दिसंबर को प्रधानंत्री नरेन्द्र मोदी से मिला था, 20 दिसंबर को अमित शाह से, उन्होंने कहा था कि वह 23 दिसंबर को बैठक बुलाएंगे और फैसला करेंगे। तब से कितने दिन बीत गए? क्या उन्होंने राशि दी? पांच माह हो गये, अब तक सूखा राहत नहीं दी गई। क्या अमित शाह अपने घर से पैसा दे रहे हैं? क्या यह भिक्षा' है? यह हमारा पैसा है, हमारे कर का पैसा है।

अपने लोकसभा चुनाव अभियान में कांग्रेस सूखा राहत में देरी को प्रमुख मुद्दा बना रही है, साथ ही केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी, सहायता अनुदान और केंद्रीय परियोजनाओं को मंजूरी में देरी में राज्य के साथ कथित अन्याय का मुद्दा भी उठा रही है।

इस बीच शाह ने सवाल किया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के 10 साल के शासन के दौरान कांग्रेस द्वारा कर्नाटक के लिये क्या किया गया। शाह ने अपने संबोधन में कहा, उन्हें इसका हिसाब देना चाहिए या नहीं? मैं हिसाब लेकर आया हूं, संप्रग के दस साल के शासनकाल में मनमोहन सिंह सरकार ने कर्नाटक को सिर्फ एक लाख 42 करोड़ रुपये दिये, जबकि नरेन्द्र मोदी ने तीन गुना ज्यादा चार लाख 91 हजार करोड़ रुपये दिये। उन्होंने कहा, इसके अलावा 25 हजार करोड़ रुपये की सड़कें, 75 हजार करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं और 11 हजार करोड़ रुपये हवाई मार्ग के लिए लगाए गए। उन्होंने कहा कि मोदी ने बेंगलूरु का विकास किया और कर्नाटक में विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के साढ़े तीन करोड़ से अधिक लाभार्थी हैं।

'जिनशासन का कोई भी कार्य छोटा नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शाहपुर। शहर के अनंतनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में आयोजित प्रवचन में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जिनशासन की कोई भी आराधना और कोई भी कार्य छोटा नहीं होता है इसलिए हमें हर कार्य लगन से और भाव से करना चाहिए और हमें अपने जीवन

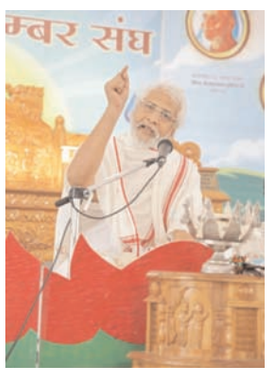

में ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे जिनशासन के देश समाज के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचे।

धर्म परंपरा के खिलाफ बिना सोचे समझे कोई भी कार्य या आचरण नहीं करना चाहिए और यह उत्तरदायित्व ही सबसे बड़ा धर्म है। हमे अपने स्वाभिमान और गरिमा की रक्षा करना ही चाहिए। हमारे पास केवल सांसारिक-व्यवहारिक ज्ञान ही नहीं बल्कि धार्मिक ज्ञान भी होना भी अत्यन्त जरुरी है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com